हरित छत्तीसगढ़ : एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाएं और धरती को खुशहाल और स्वच्छ बनाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष-15, अंक-16 | सावन कृष्ण पक्ष षष्ठी, विक्रम संवत् 2081 कोरबा, शुक्रवार दिनांक 26 जुलाई से 01 अगस्त 2024 | पृष्ठ-8 मूल्य रू. 3.00

सुविचार

दूसरों को आनंदित करने वाला इंसान के जीवन में आनंद ही आनंद आता है।

हरियाणा के 6 शूटर मेडल पर निशाना लगाने को तैयार

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

हरियाणा के 6 शूटर पेरिस ओलंपिक में मेडल निशाना लगाने को तैयार हैं। 25 जुलाई गुरुवार से शुरू हो रहे खेलों के महाकुंभ पर देश की नजरें हरियाणा के शूटरों पर टिकी हैं। शूटरों के इस दल की अगुवाई झज्जर की युवा ओलंपिक चैंपियन मनु भाकर कर रहीं हैं। भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल, 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में भाग लेने वाली एकमात्र एथलीट हैं और वह पदक की सबसे बड़ी दावेदार हैं।

इन्होंने टोक्यो ओलंपिक में भी भाग लिया था। टोक्यो ओलंपिक में 22 वर्षीय मनु ने निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद सबका ध्यान अपनी तरफ खींचने में कामयाब हुईं। हालांकि इस बाद देश को उनसे मेडल की उम्मीदें बढ़ गईं हैं। क्योंकि उनके पास टोक्यो अलंपिक का एक्पीरियंस है। मनु के अलावा करनाल के अनीश भानवाला, अंबाला के सरबोजोत सिंह और फरीदाबाद की रिदम सांगवान से भी पिस्टल स्पर्धाओं में पदक की उम्मीदें हैं।

भनवाला ने आशाजनक परिणाम दिए हैं। अपने नाम पर जूनियर विश्व रिकॉर्ड रखने वाले एक विलक्षण निशानेबाज हैं, वह पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। दिल्ली में डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में प्रशिक्षण लेने वाले युवा खिलाड़ी रविवार को टीम के अन्य सदस्यों के साथ पेरिस के लिए रवाना हुए। पिता जगपाल सिंह कहते हैं, वह महीनों तक अकेले अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करता रहा। इस दौरान उसके साथ पूरा परिवार खड़ा रहा। उसे शूटिंग रेंज में कोच हरप्रीत सिंह द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। 2017 से वह अपनी छोटी उम्र के बावजूद सीनियर वर्ग में खेल रहा है। 15 साल की उम्र में कॉमनवेल्थ चैंपियन और किशोरावस्था में विश्व कप पदक विजेता बन गया था।

छत्तीसगढ़ में वार्ड परिसीमन पर हाईकोट ने लगाई रोक

सरकार से हाईकोर्ट ने पूछा- 2011 की जनगणना को अभी आदर्श कैसे मानेंगे

बिलासपुर , एजेंसी।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राजनांदगांव नगर निगम, कुम्हारी, बेमेतरा और तखतपुर नगर पालिका में होने वाले परिसीमन पर रोक लगा दी है। जस्टिस पीपी साहू की बेंच ने परिसीमन के खिलाफ लगी 3 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए स्थगन आदेश दिया है।

कोर्ट ने पूछा है कि राज्य सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर अभी परिसीमन क्यों कर रही है। कानून के जानकारों का कहना है कि अब परिसीमन को लेकर दूसरे नगरीय निकायों में भी परिसीमन को चुनौती दी जा सकती है।

हाईकोर्ट में तीन याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई

दरअसल, राजनांदगांव नगर निगम, कुम्हारी नगर पालिका और बेमेतरा नगर पालिका में वार्डों के परिसीमन को चुनौती दी गई है। तीनों याचिकाओं की प्रकृति समान थी, लिहाजा हाईकोर्ट में तीनों याचिकाओं की एक साथ सुनवाई चल रही है।

2011 की जनगणना को वर्तमान में आदर्श कैसे मानेंगे

कोर्ट ने पूछा कि वर्ष 2011 की जनगणना को वर्तमान परिदृश्य में आदर्श कैसे मानेंगे। दो बार परिसीमन कर लिया गया है तो तीसरी बार परिसीमन क्यों किया जा रहा है। कोर्ट ने आपत्तियों के निराकरण और अधिसूचना जारी करने पर रोक लगा दी है।

मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ महाधिवक्ता और पूर्व एजी सतीशचंद्र वर्मा, अमृतो दास, राज्य की ओर से उपमहाधिवक्ता प्रवीण दास और विनय पांडेय और नगर पालिका कुम्हारी की तरफ से पूर्व उप महाधिवक्ता संदीप दुबे ने पैरवी की।

सरकार बदलने पर राजनीतिक लाभ के लिए परिसीमन

याचिकाकर्ताओं की तरफ से यह भी कहा गया है कि प्रदेश में नई सरकार बनी है। लिहाजा, नगरीय निकाय चुनाव में राजनीतिक लाभ लेने के लिए परिसीमन किया जा रहा है। उनका यह भी कहना था कि क्षेत्र बदलने के आधार पर साल 2018 में परिसीमन किया जा चुका है। नियम के अनुसार क्षेत्र बदलने के आधार पर परिसीमन किया जा सकता है। लेकिन, इस बार ऐसा नहीं किया जा रहा है।

जनगणना के अलावा क्षेत्र बदलने पर ही हो सकता है परिसीमन

याचिकाकर्ता टेकचंद कारड़ा के एडवोकेट अमृतोदास ने कोर्ट को बताया कि किसी भी निकाय में पांच साल में परिसीमन करना जरूरी नहीं है। राज्य सरकार ने नगरीय निकाय का क्षेत्र बदलने के नाम पर दो बार परिसीमन किया था। लेकिन, पांच साल बाद फिर से परिसीमन के लिए अधिसूचना जारी कर दावा आपत्ति मंगाई गई है, जो अवैधानिक है। परिसीमन के लिए जनगणना के साथ ही वार्ड के क्षेत्रों में बदलाव जरूरी है।

इसमें याचिकाकर्ताओं का कहना है कि राज्य सरकार ने प्रदेश भर के निकायों के वार्ड परिसीमन के लिए जो आदेश जारी किया है, उसमें वर्ष 2011 की जनगणना को आधार माना है। इसी आधार पर परिसीमन का कार्य करने कहा गया है। याचिकाकर्ताओं के वकीलों का कहना था कि वार्ड परिसीमन के लिए बनाए गए नियमों के अनुसार अंतिम जनगणना को आधार माना गया है।

जब आधार एक ही तो इस बार परिसीमन क्यों ?

राज्य सरकार ने अपने सर्कुलर में भी परिसीमन के लिए अंतिम जनगणना को आधार माना है। अधिवक्ताओं का कहना था कि राज्य सरकार ने इसके पहले वर्ष 2014 और 2019 में भी वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन का कार्य किया है। जब आधार एक ही है तो इस बार क्यों परिसीमन का काम किया जा रहा है।

लोगों को होगी दिक्कतें

सरकार के राजनीतिक लाभ के लिए होने वाले परिसीमन का खामियाजा वहां के निवासियों को भुगतना पड़ेगा। परिसीमन के बाद उनके राशन दुकान का एरिया बदल जाएगा। वहीं वार्ड बदलने से उनका पता भी बदल जाएगा। जिसके बाद उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

राज्य सरकार ने कहा- मतदाता सूची को बनाया आधार

मामले की सुनवाई जस्टिस पीपी साहू के सिंगल बेंच में हुई। कोर्ट में सरकारी वकीलों ने जवाब में कहा कि परिसीमन मतदाता सूची के आधार पर नहीं जनगणना को ही आधार मानकर किया जा रहा है। परिसीमन से वार्डों का क्षेत्र और नक्शा बदल जाएगा। इस पर कोर्ट ने असहमति जताई।

अब रायपुर का स्काई-वॉक प्रोजेक्ट होगा पूरा,मंत्री साव बोले- जैसे पहले तय था वैसे होगा निर्माण

रायपुर, एजेंसी।

रायपुर के अधूरे स्काईवॉक प्रोजेक्ट को पूरा किया जाएगा। इसे फिर से बनाया जाएगा। तात्यापारा की सड़क का भी चौड़ीकरण किया जाएगा। कलेक्टर 30 दिन में इसकी रिपोर्ट सरकार को देंगे। यह जानकारी सरकार की ओर से मंत्री अरुण साव ने विधानसभा में मीडिया से चर्चा के दौरान दी है। मंत्री अरुण साव ने कहा कि, स्काईवॉक के काम को कांग्रेस की सरकार ने रोक दिया था। पूर्व अनुमोदित किए गए प्रोजेक्ट तहत स्काई वॉक का काम करेंगे। जो पहले से तय था वैसे ही काम होगा। यह मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में तय किया गया है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में बनेगी कमेटी

साव ने कहा कि, शारदा चौक से तात्यापारा तक चौड़ीकरण के लिए तय किया गया है कि कलेक्टर की अध्यक्षता में कमेटी बनेगी। ये कमेटी मार्ग के चौड़ीकरण के लिए परीक्षण करेगी। कितनी जमीन का मुआवजा देना होगा, कितने हिस्से को चौड़ा किया जाएगा, 30 दिन में ये कमेटी रिपोर्ट देगी। जिसके बाद आगे का काम किया जाएगा।

इस बैठक में लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल विधायक, रायपुर के विधायक राजेश मूणत और मोतीलाल साहू भी शामिल थे।

7 साल से अटका है मामला

राजधानी के बीचो-बीच बने स्काई वॉक का निर्माण 7 सालों बाद पूरा होने वाला है। स्काई वॉक का काम साल 2016-17 रमन सिंह सरकार के समय शुरू किया गया था। इस दौरान राजेश मूणत पीडब्ल्यूडी मंत्री थे। तत्कालीन रमन सिंह सराकर रायपुर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को और बेहतर करने, शास्त्री चौक से मेकाहारा अस्पताल तक राहगीरों को पैदल चलने की विकल्प के तौर पर इसका निर्माण करा रही थी।

इसके बाद कांग्रेस सराकर में आई और स्काई वॉक के निर्माण पर रोक लगा दी गई। इसमें कांग्रेस ने घोटाले का दावा किया है। हालांकि किसी पर कोई कार्रवाई कांग्रेस सरकार कर नहीं पाई थी।

सामाजिक तलाक को राज्य महिला आयोग ने बताया अवैध

कोरिया, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक और सदस्य नीता विश्वकर्मा ने गुरुवार को बैकुंठपुर में महिला उत्पीड़न से संबधित प्रकरणों पर सुनवाई की। भरण-पोषण के एक मामले में राज्य महिला आयोग ने सामाजिक तलाक को अवैध करार दिया और नियमानुसार कोर्ट से तलाक लेने कहा। कोरिया जिले में कुल 36 प्रकरणों में सुनवाई की गई।

महिला आयोग की सुनवाई में एक मामले में महिला ने भरण-पोषण के लिए आवेदन किया था। दोनों के बीच सामाजिक तलाक हुआ है। आवेदिका ने कहा कि पति उसे एकमुश्त भरण-पोषण नहीं दे रहा है और न ही कानून के अनुसार तलाक लिया गया है। राज्य महिला आयोग अध्यक्ष ने कहा कि पति अपनी पत्नी को एकमुश्त भरण पोषण राशि करे और शादी में दिए गए सभी सामान वापस करे।

दोनों पक्षों का समझाइश दिया गया न्यायालय प्रकरण दर्ज कराए और भरण राशि और तलाक की कार्रवाई पूर्ण करें।

सामाजिक बहिष्कार, गांव जाएगी आयोग की टीम

एक अन्य मामले में सूरजपुर जिले की उमापुर निवासी महिला ने गांव के 10 लोगों के खिलाफ शिकायत की गई थी कि उसे समाज से बहिष्कृत कर दिया गया है। सभी लोगों ने इससे इनकार किया और कहा कि उन्होंने कोई सामाजिक बहिष्कार नहीं किया गया है।

आयोग की ओर से एक टीम आवेदिका के गांव उमापुर दिनांक 03 अगस्त को दोपहर 1.00 बजे जाएगी और पूरे गांव के सामने इस प्रकरण की जानकारी रखी जाएगी। सभी लोग यदि गांव वालों के समक्ष आवेदिका का गांव में सामाजिक बहिष्कार नहीं किए जाने की सार्वजनिक घोषणा करते हैं तो प्रकरण समाप्त किया जाएगा। अन्यथा अनावेदकों के खिलाफ रामानुजनगर थाने में अपराध दर्ज किया जाएगा।

3 दिन में सोना 5,000, चांदी 6,400 रुपए सस्ती

मुंबई, एजेंसी।

बजट में सोना-चांदी की कस्टम ड्यूटी (इम्पोर्ट टैक्स) घटने के बाद 3 दिन में सोना 5,000 रुपए और चांदी 6,400 रुपए सस्ती हो चुकी है। सरकार ने बजट में सोना-चांदी पर कस्टम ड्यूटी को 15त्न से घटाकर 6त्न कर दिया है। इससे भाव में ये गिरावट आई है।

बजट के दो दिन बाद, यानी आज 25 जुलाई को सोना 974 रुपए गिरकर 68,177 रुपए पर आ गया है। 23 जुलाई को इसमें 3,616 रुपए और 24 जुलाई को 451 रुपए गिरावट आई थी। वहीं चांदी आज 3,061 रुपए गिरकर 81,801 रुपए प्रति किलो पर आ गई है।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली- 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 64,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 69,950 रुपए है।

इस साल अब तक 4,800 रुपए से ज्यादा बढ़ चुके हैं सोने के दाम

इस साल अब तक सोने के दाम 4,800 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,352 रुपए पर था। जो अब 68,177 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी।

जो अब 81,801 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 8,400 रुपए बढ़ चुकी है।

सोने की मांग बढ़ेगी, कीमतें ज्यादा नहीं घटेंगी

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के अनुसार इस बार बजट में सोना-चांदी पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी 15 प्रतिशत से घटाकर 6प्रतिशत कर दी गई है। इससे इसकी कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है, लेकिन आने वाले दिनों में सोने की मांग और तेजी से बढ़ेगी। अभी सोने और चांदी में गिरावट भले हुई है, लेकिन इसे केवल ड्यूटी एडजस्टमेंट कह सकते हैं। कुछ दिन अगर सोना गिरा भी तो यह फिर कवर कर लेगा। अमेरिका में चुनाव और वैश्विक तनाव को देखते हुए सोने और चांदी के दाम अधिक नहीं गिरेंगे। यह खरीद का अच्छा मौका है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी HUID कहते हैं।

NEET केस-CBI टीम बिहार पुलिस के साथ हजारीबाग पहुंची, दो संदिग्धों से पूछताछ के बाद गेस्ट हाउस में छापा मारा; अब तक 36 गिरफ्तार

हजारीबाग (एजेंसी)।

NEET पेपर लीक मामले में CBI की टीम एक बार फिर हजारीबाग पहुंची। चार गाड़ी से पहुंचे CBI के 15 अधिकारियों ने कटक मसांडी रोड स्थित राज गेस्ट हाउस में फिर से जांच की। CBI की टीम पटना से आई थी। उनके साथ बिहार पुलिस के जवान भी थे।

CBI की टीम अपने साथ दो संदिग्धों को लेकर आई। उन्हें साथ रखकर राज गेस्ट हाउस में छापेमारी की। इस दौरान कई डॉक्यूमेंट, प्रिंटर जमा करने के बाद राज गेस्ट हाउस को सील कर दिया। इसके बाद CBI की टीम वापस पटना लौट गई।

बंटी ने 16 मोबाइल से NEET UG का पेपर और आंसर भेजे थे

उधर, NEET पेपर लीक मामले का फरार आरोपी अविनाश उर्फ बंटी बुधवार को धनबाद से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी CBI ने की। बंटी ने ही झारखंड में सेट किए गए अभ्यर्थियों को 16 मोबाइल से NEET UG परीक्षा के

दिन, यानी 5 मई को पेपर और आंसर भेजे थे।

सबूत मिटाने के लिए उसने सभी मोबाइल तालाब में फेंक दिए थे। CBI ने तालाब से सभी मोबाइल बरामद कर लिए हैं। साथ ही बंटी के ठिकाने से ब्लूटूथ, प्रिंटर और अन्य डिवाइस भी बरामद किए।

CBI ने उसे बुधवार को पटना सिविल कोर्ट स्थित CBI की अदालत में पेश किया। कोर्ट ने उसे 30 जुलाई तक के लिए CBI की रिमांड पर सौंप दिया।

चचेरे भाई ने बंटी को पकड़वाया

CBI को अविनाश उर्फ बंटी की तलाश लगभग 20 दिनों से थी, लेकिन बंटी के अंडरग्राउंड हो जाने के कारण एजेंसी उस तक पहुंच नहीं पा रही थी।

पेरिस ओलिंपिक :भारत की महिला-पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

रैंकिंग राउंड में धीरज बोम्मादेवरा चौथे नंबर पर, अंकिता भकत की सीजन बेस्ट परफॉर्मेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने पेरिस ओलिंपिक में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। यहां गुरुवार को आर्चरी के क्वालिफायर राउंड में दोनों भारतीय टीमों ने टॉप-4 पर रहते हुए सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

लेस इनवैलिड्स गार्डन में दोपहर में पहले महिला टीम ने चौथे स्थान पर रहते हुए टॉप-8 में जगह पक्की की, फिर शाम होते-होते पुरुष टीम ने टॉप-3 में फिनिश करते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया।

युवा अंकिता भकत की अगुवाई में भारतीय महिला टीम ने 1983 अंक हासिल किए, जबकि पुरुष टीम ने धीरज बोम्मादेवरा के दमदार प्रदर्शन से 2013 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। टॉप-8 में भारतीय महिला टीम का मुकाबला

फ्रांस और नीदरलैंड के विनर से होगा। जबकि भारतीय पुरुष टीम तुर्किए और कोलंबिया के विजेता से खेलेगी।

इस बार भारत सभी पांचों इवेंट में हिस्सा लेगा। इनमें महिला टीम, पुरुष टीम, महिला एकल, पुरुष एकल और मिश्रित डबल्स पांचों इवेंट में मेडल की रेस में है। इस बार लगता है तीरंदाज इतिहास रचने जा रहे हैं।

मिक्स्ड इवेंट में अंकिता और धीरज की जोड़ी बनेगी

रैंकिंग राउंड में युवा अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। अंकिता विमेंस कैटेगरी में 666 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहीं। जबकि धीरज बोम्मादेवरा ने मेंस कैटेगरी में तीसरा स्थान हासिल किया। मिक्स्ड इवेंट में अब अंकिता और धीरज की जोड़ी बनेगी। मिक्स्ड इवेंट में पुरुष और महिला वर्ग में देश की टॉप तीरंदाजों की जोड़ी बनती है।

नक्सल पीड़ित परिवारों के परिजनों को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

रायपुर।

नक्सली हिंसा में मृतक के परिजनों को छत्तीसगढ़ शासन के पुनर्वास नीति के तहत शासकीय सेवा में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर रा'य के सभी वर्गों के विकास के लिए कल्याणकारी योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन कर लाभांवित किया जा रहा है। आज बीजापुर जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक में नक्सल पीड़ित परिवारों के 58 लोगों को अनुकम्पा नियुक्ति देने का निर्णय लिया गया।

पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि अनुकम्पा नियुक्ति के लिए कुल 58 पात्र आवेदकों को प्रथम चरण में अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी। पूर्व में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए 19 जुलाई तक दावा आपत्ति आमंत्रित की गई थी, बाद में इस तिथि में वृद्धि करते हुए 24 जुलाई 2024 को निर्धारित की गई। उक्त तिथियों में प्राप्त दावा आपत्तियों का निराकरण करते हुए समिति के निर्णय के आधार पर विभिन्न विभागों में चतुर्थ वर्ग के पदों पर नियुक्ति हेतु अंतिम रूप से 58 आवेदक प्रथम चरण में पात्र पाए गए हैं, जिन्हें यह नियुक्ति दी जाएगी।

सुविचार

दूसरों को आनंदित करने वाला इंसान के जीवन में आनंद ही आनंद आता है।

जल्द होगी जिला पुर्नवास समिति की बैठक, भू-विस्थापितों की समस्याओं का होगा निराकरण- उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन

कोरबा/ रायपुर।

पाली तानाखार विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम द्वारा विधानसभा में लगाए गए ध्यानाकर्षण पर दिए गए जवाब के संबंध में वाणिज्य उद्योग और मंत्री श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि कोरबा जिले के जिन लोगों की जमीन पुर्नवास नीति के तहत अधिग्रहित की गई थी। रमन सरकार मे पुर्नस्थपितों की समस्या पर तेजी से काम किया गया था। प्रदेश के प्रभारी मंत्री रहे अमर अग्रवाल की अध्यक्षता में आखिरी बार जिला पुर्नवास समिति की बैठक 2017 में कटघोरा में हुई थी, इसके बाद पूर्ववती सरकार में एक भी बैठक पुर्नवास समिति की नहीं हुई। इसकी वजह से पुर्नस्थपितों की समस्या लगातार बढ़ती चली गई। मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया की उपमुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री अरूण साव से अनुरोध किया कि जल्द से जल्द पुर्नवास समिति की बैठक रखी जाए। इस पर प्रभारी मंत्री अरूण साव ने सहमती भी दी।

मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया कोरबा जिले के सार्वजनिक उपक्रम एवं निजी संस्थानों द्वारा भू-विस्थापित एवं परिवारों का समय-समय पर पात्रता अनुसार रोजगार उपलब्ध कराये गये हैं। जिसके अनुसार एसईसीएल गेवरा क्षेत्र में 2570, एसईसीएल कोरबा क्षेत्र 1167, एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र 2052, एसईसीएल दीपका क्षेत्र 1505, एनटीपीसी 323, लैको अमरकंटक पावर लिमि. 331 सीएसईबी पश्चिम 101, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह 155, स्प्रेक्टम कोल एवं पावर लिमि. 305 एसीबी इंडिया लिमि. 104, प्रकाश इंडस्ट्रिज 66, एसव्ही पावर प्राईवेट लिमि. 200 इस प्रकार कुल 8879 भू- विस्थापितों को पात्रतानुसार रोजगार प्रदान किया जा चुका है तथा शेष भू-विस्थापितों को पात्रता अनुसार रोजगार देने का कार्य सतत् प्रक्रियाधीन है। भू-विस्थापितों के आवेदन एसईसीएल, एनटीपीसी इत्यादि को प्राप्त होने पर इनके पुनर्वास संबंधी पात्रता की जांच संबंधित कंपनी एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से की जाती है एवं पात्रता होने पर रोजगार नियमानुसार उपलब्ध कराया जाता है।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने एक पेड़ माँ के नाम - वृक्षारोपण अभियान 2024 का किया शुभारंभ

सीएमडी डॉ प्रेम सागर मिश्रा ने एसईसीएल एवं सभी संचालन क्षेत्रों में की अभियान की शुरुआत

कोरबा/बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने आज कोल इंडिया एवं सभी अनुषंगी कंपनियों में एक पेड़ माँ के नाम - वृक्षारोपण अभियान 2024 का धनबाद में शुभारंभ किया गया जिसमें कोयला सचिव अमृत लाल मीणा एवं कोल इंडिया चेयरमैन पीएम प्रसाद भी उपस्थित रहे।

इसी कार्यक्रम के तहत सीएमडी डॉ प्रेम सागर मिश्रा द्वारा एसईसीएल एवं सभी संचालन क्षेत्रों में वृक्षारोपण अभियान 2024 की शुरुआत की गई। इस अवसर पर सीएमडी डॉ मिश्रा द्वारा एसईसीएल मुख्यालय में पौधारोपण किया गया।

एसईसीएल निदेशक तकनीकी (संचालन) एसएन कापरी, निदेशक (वित्त) डी सुनील कुमार, बीके जेना महाप्रबंधक (वन एवं पर्यावरण), मुख्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्ष, अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा भी वृक्षारोपण में भाग लिया गया।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है एसईसीएल

वित्त वर्ष 23-24 में कम्पनी ने लक्ष्य 430 हेक्टेयर के मुक़ाबले 475 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में रिकार्ड 10.77 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जोकि कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों में सर्वाधिक रहा। इसके साथ ही वर्ष 23-24 में एसईसीएल के भटगांव क्षेत्र में 20 मेगावाट की ग्राउंड माउंटेड ग्रिड कनेक्टेड सोलर परियोजना से उत्पादन की शुरुआत हुई। वहीं एसईसीएल मुख्यालय एवं विभिन्न संचालन क्षेत्रों में 4,000 किलोवाट की रूफ-टॉप सोलर परियोजनाओं के लिए वर्क अवार्ड हुआ। कंपनी के विभिन्न संचालन क्षेत्रों में लगभग 15 इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रयोग में लाने की शुरुआत भी हुई।

इस साल 12.50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

इस वित्त वर्ष के लिए एसईसीएल को छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में फैले अपने संचालन क्षेत्रों में लगभग 500 हेक्टेयर के क्षेत्र में 12.50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य मिला है जिसके लिए वृक्षारोपण अभियान के तहत काम शुरू किया जा चुका है।

डी सुनील कुमार ने किया एसईसीएल के निदेशक (वित्त) का पदभार ग्रहण

कोरबा/बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

एसईसीएल के नवनियुक्त निदेशक (वित्त) डी सुनील कुमार ने आज 25 जुलाई 2024 को पदभार ग्रहण कर लिया है। उनके एसईसीएल मुख्यालय आगमन पर एसईसीएल सीएमडी डॉ प्रेम सागर मिश्रा एवं निदेशकगणों ने हार्दिक स्वागत करते हुए बधाई व शुभकामनाएँ दीं।

कोयला उद्योग में लगभग 35 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले श्री कुमार ने आचार्या नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश से बीकॉम एवं आंध्र विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश से फाइनेंस में एमबीए की डिग्री हासिल की है।

कोयला उद्योग में वित्त प्रबंधन के क्षेत्र में उन्हें मुख्यालय तथा क्षेत्रीय स्तर पर काम करने का व्यापक अनुभव है तथा वे कॉस्ट कंट्रोल के माध्यम से लाभप्रदता बढ़ाने के कौशल के लिए जाने जाते हैं।

एसईसीएल आने से पहले वे एनसीएल में महाप्रबन्धक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए घर-घर जाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम कर रही जांच

कलेक्टर ने उल्टी दस्त, मलेरिया से संक्रमित व्यक्तियों के इलाज के दिए निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

बारिश के मौसम में मलेरिया, उल्टी-दस्त फैलने की संभावनाओं के बीच इसके रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम मुस्तैद है। चिकित्सक सहित मितानीन द्वारा ग्रामीणों के घर-घर जाकर बुखार पीड़ितों का ब्लड सैंपल लेने के साथ ही उन्हें दवाइयां दी जा रही है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दूरस्थ ग्राम विमलता, रफता सहित आसपास के इलाकों में शिविर लगाया। टीम द्वारा घर-घर जाकर ग्रामीणों को बीमारी से बचने आवश्यक उपाय करने की समझाइश दी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मौसमी बीमारी के रोकथाम हेतु युद्धस्तर पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही पूर्ण करने हेतु सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजनों से जिले के किसी भी क्षेत्र में बुखार, मलेरिया या उल्टी-दस्त के संक्रमण की शिकायत होने पर तत्काल मितानिन, स्वास्थ्य कार्यकर्ता तथा खण्ड चिकित्सा अधिकारी को सूचना प्रदान करने का आग्रह किया गया है। कोरबा विकासखण्ड अंतर्गत दूरस्थ ग्रामों में 14 जून से लगातार टीम सक्रियता से कार्य कर रही है। 18 जुलाई को ग्राम रफता, विमलता में ग्रामीण चिकित्सा सहायक एल आर गौतम, सुपरवाइजर के.जी. गोस्वामी, आरएचओ महिला वर्कर उप स्वास्थ्य केंद्र नकिया श्रीमती उदय कांति एक्का, उदयभान, नरोत्तम सिंह, श्री राम कंवर, भास्कर साहू, मितानीन रूकमणी, रेश्मा द्वारा ग्रामीणों के घर पहुंचकर सैंपल लिया जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें दवाइयां भी दी जा रही है। मौके पर आरएमए श्री गौतम ने बताया कि मौसम के साथ ही कुछ घरों में बीमारी का प्रभाव है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की टीम उनका उपचार कर रही है। स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। घर-घर जाकर आरडी किट, स्लाइड लेकर जांच की जा रही है। ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव के लिए उपाय बताए जा रहे हैं। जिले के प्रत्येक स्तर के स्वास्थ्य केन्द्रों तथा मैदानी क्षेत्र में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन व डिपोहोल्डर्स के पास जीवनरक्षक दवाईयों की उपलब्धता तथा सतत औषधियों की प्रतिपूर्ति व्यवस्था की कार्यवाही की गई है। साथ ही स्वास्थ्य अमलों द्वारा शिविर लगाकर उपचार किया जा रहा है। साथ ही मौसमी बीमारियों/महामारी के नियंत्रण हेतु जिला स्तर एवं विकासखण्ड स्तर पर काम्बेट टीम का गठन किया गया है तथा उन्हें क्षेत्रों में सतत् भ्रमण कर निगरानी बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। टीम द्वारा सूचना प्राप्त होते ही प्रभावित क्षेत्र में तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर श्री वसंत ने जिले की जनता से अपील की है कि उल्टी-दस्त, मलेरिया से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करें, जिससे महामारी जैसी बीमारियों पर नियंत्रण की कार्यवाही की जा सके एवं जिले में असामयिक मृत्यु पर रोक लगाई जा सके। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मौसमी बिमारियों की सतत् जानकारी लेते हुए समुचित प्रतिबंधात्मक कार्यवाही तथा उल्टी दस्त मलेरिया से पीड़ित व्यक्तियों के इलाज में किसी तरह की लापरवाही न बरतने के कड़े निर्देश दिए हैं।

नई दिल्ली में द्विवेदी दंपत्ति डाक्टरेट की मानद उपाधि से हुए सम्मानित

जांजगीर (दिव्य आकाश)।

पंड़ित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ द्वारा 24 जुलाई ,2024 को कांस्टीट्यूशन क्लब आंफ इंडिया , विट्ठल भाई पटेल सभागार में मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. अरविन्द कुमार ,पूर्व कुलपति रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी, विशिष्ट अतिथि डॉ. स्वर्णलता पांचाल रिसर्च साइंटिस्ट अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स , नई दिल्ली अध्यक्षता डॉ. इन्दु भूषण मिश्रा ,कुलपति पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ और मुख्य वक्ता सुश्री दीपा मिश्रा , सुप्रसिद्ध कथा वाचिका वृन्दावन धाम (मथुरा) की गरिमामयी उपस्थिति में विद्या वाचस्पति डॉक्टरेट मानद उपाधि सम्मान समारोह का भव्य आयोजन सांध्य बेला में हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले से श्रीमती कुमुदिनी द्विवेदी एवं रविन्द्र कुमार द्विवेदी चांपा को विद्या वाचस्पति सारस्वत मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया ।

इस भव्य आयोजन में शिक्षा, साहित्य , समाज , महिला सशक्तिकरण , पत्रकारिता आदि के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को मानद उपाधि से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने अपने-अपने विचार प्रकट किए और शिक्षा के महत्व पर बल दिया ।

डॉ. अरविन्द कुमार ने अपने संबोधन में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला । वहीं, डॉ. स्वर्ण लता पांचाल ने शिक्षा के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुश्री दीपा मिश्रा ने अपने संबोधन में शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की संभावनाओं पर चर्चा की । उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान का संकलन नहीं हैं , बल्कि यह समाज को दिशा देने का माध्यम भी है ।

शिक्षा और साहित्य लेखन में निरंतर सक्रिय श्रीमती कुमुदिनि द्विवेदी

साहित्यकार शशिभूषण सोनी ने बताया कि विद्या वाचस्पति डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित होने वाली श्रीमती कुमुदिनी द्विवेदी ने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार किए हैं और उनके शिक्षा एवं साहित्य पर लेखन ने शिक्षा साहित्यिक जगत में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया हैं । उनके द्वारा लिखित अनेक पुस्तकों ,वैचारिक लेख ने समाज को एक नई दिशा देने का कार्य किया हैं । श्रीमति द्विवेदी ने मराठी और हिंदी भाषा में भी साहित्य सृजन करके अनगिनत छात्रों को उत्प्रेरित किया । श्रीमती द्विवेदी लायनेस क्लब चांपा की अध्यक्ष और सचिव रहते हुए महिला सशक्तिकरण, नारी शिक्षा, बालिका शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में अनवरत योगदान दिये हैं , जिसके लिए उन्हें महामहिम राज्यपाल के हाथों श्रेष्ठ शिक्षिका का सम्मान 2004 से नवाजा गया है । उल्लेखनीय है श्रीमती कुमुदिनी द्विवेदी जिला शिक्षा अधिकारी , जिला साक्षरता अधिकारी , जांजगीर-चांपा के रूप में अपने सेवा दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर चुकी हैं और अनेकों सम्मान एवं अलंकरण से सम्मानित हैं ।

साहित्य सृजन और शैक्षणिक योगदान

विद्या वाचस्पति डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने शिक्षा , साहित्य लेखन एवं समाज सेवा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दिया हैं । वे विभिन्न शैक्षणिक, साहित्यिक, सामाजिक संगठनों के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत रहे हैं । उनकी सेवाएं और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करते हैं । इनके अनेक धार्मिक , साहित्यिक , शैक्षिक लेख एवं रचनाएं विभिन्न समाचार-पत्रों एवं साहित्यिक ग्रंथों में प्रकाशित किए जा चुके हैं । इन्हें शिक्षा साहित्य के क्षेत्र में अनेकों बार सम्मानित एवं पुरस्कृत किए गए हैं ।

पं दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ , मथुरा से श्रीमती कुमुदिनी द्विवेदी एवं रविन्द्र द्विवेदी को विद्या वाचस्पति सारस्वत सम्मान (डाक्टरेट की मानद उपाधि) से सम्मानित किए जाने पर प्रेस क्लब चांपा के अध्यक्ष कुलवंत सिंह सलूजा , सचिव डां मूलचंद गुप्ता ,विक्रम तिवारी, गौरव गुप्ता , विशेष प्रतिनिधि शशिभूषण सोनी , पवन अग्रवाल , नैला , डां रामखिलावन यादव कमरीद , पुरुषोत्तम राठौर , निराला साहित्य मंडल, अक्षर साहित्य परिषद एवं समस्त साहित्यिक संस्थान , समस्त शैक्षणिक संस्थान , लायंस लायनेस क्लब चांपा एवं विभिन्न सामाजिक साहित्यिक सांस्कृतिक संस्थाओं ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं ।

अचानक जलस्तर बढ़ने से मवेशी बहा, लोगों ने जाली की मदद से बचाया

कोरबा। कोरबा जिले में भारी बारिश से नदी नाले उफान पर है। लगातार हो रही बारिश से बांगो डैम और हसदेव नदी का जल स्तर बढ़ गया है। डैम से नहर में भी पानी छोड़ा जा रहा है। जिससे नहर में भी पानी का तेज बहाव देखने को मिल रहा है। सुनालिया नहर पूल के पास बच्चे और युवा जान जोखिम में डाल कर नहर में छलांग लगाते नजर आए। नदियों में प्रतिबंध के बाद भी मछली पकड़ते लोग नजर आ रहे हैं। वहीं बालको इलाके के नेहरू नगर बस्ती के पास नाले में पानी का जल स्तर अचानक बढ़ गया। जहां मवेशी नाले में बहने लगा। राहगीरों ने उसे जाली के सहारे एक साइड किया और बाहर निकाला।

कुर्मी समाज द्वारा विजय बघेल का स्वागतः बैठक में कहा गया- जातिगत जनगणना हुई तो छत्तीसगढ़ में कुर्मी समाज नंबर-1 होगा

कोरबा/ रायपुर (दिव्य आकाश)।

कुर्मी क्षत्रीय समाज का प्रांतीय बैठक और सम्मान समारोह का आयोजन राजधानी रायपुर में आयोजित हुआ। बैठक में राजवाड़े कुर्मी क्षत्रीय समाज की ओर से प्रतिनिधित्व के रूप में युवा अध्यक्ष गेंदराम राजवाड़े सह सचिव शैलेंद्र राजवाड़े संगठन सचिव विक्रम लाल राजवाड़े युवा सदस्य संतोष राजवाड़े इकाई अध्यक्ष सुभाष राजवाड़े, नरोत्तम राजवाड़े के साथ बड़ी संख्या में कुर्मी राजवाड़े समाज की ओर से सांसद विजय बघेल का भव्य स्वागत किया गया। प्रीतम लाल राजवाड़े द्वारा समाज की ओर से जनसंख्या जनगणना पर उद्बोधन में कहा-समाज की जनगणना पर पहचान समाज की संख्या बल से होता है। हमारे समाज की विभिन्न फिरका में जो बैठे हुए हैं वह एकीकरण हो जाएं या उनका ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से पंजीयन द्वारा जनगणना की जाए तो हमारा समाज पहले नंबर पर होगा और उनकी भागीदारी भी उसी तर्ज पर राजनीति क्षेत्र में भी होना चाहिए ताकि हमारा समाज आगे बढ़ सके। आज हमारा समाज हर क्षेत्र में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहा है। बड़ा आश्चर्य बात यह है कि समाज के पुरोधा डा खूबचंद बघेल के नाम से चल रहा स्वास्थ्य बीमा को उनके नाम से बंद करके शहीद वीर नारायण जी का नाम किया जा रहा है, यह उचित नहीं है । इस परंपरा को छोड़ कर जो हमारे पुरोधा के नाम से नामकरण हुआ है, उन्हीं के नाम पर यथावत रखने चाहिए। हमारे समाज में इस बात का उल्लेख किया गया है कि राजवाड़े कुर्मी समाज जो कि जांजगीर चांपा, कोरबा, बिलासपुर, रायपुर तथा सरगुजा क्षेत्र में व्याप्त हैं उनके अध्ययन दल द्वारा एक टीम बनाकर समन्वय बैठक आयोजित की जाए, जिससे समाज की शक्ति और एकता बढ़ सके।

चक्काजाम: पसान क्षेत्र में बिजली की घंटों-घंटों कटौती से त्रस्त क्षेत्रवासियों ने सरपंच रामशरण तंवर के नेतृत्व में कटघोरा -पेंड्रा रोड जाम कर दिया, जिससे घंटों तक गाड़ियों की लंबी लाईन लगी रही।

आवासीय कन्या विद्यालयों व आश्रम छात्रावासों में स्वास्थ्य शिविर का किया जा रहा आयोजन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में जिले के सभी आवासीय कन्या विद्यालयों, आश्रम छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज आदिम जाति विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न विकासखण्डों के कन्या आश्रम छात्रावासों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर लगाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें हरदीबाजार के प्री व पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास, कोरबा विकासखण्ड के आदिवासी कन्या आश्रम, कन्या छात्रावास एवं प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास में छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसी प्रकार समग्र शिक्षा मिशन अंतर्गत संचालित जिले के सभी 05 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में शिविर आयोजित कर छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा संस्थाओ में छात्राओं को एनीमिया, कुपोषण, डायरिया, मलेरिया जैसे अन्य बीमारियों के लक्षण व बचाव की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने एवं अपने खान-पान व आस-पास साफ-सफाई में विशेष ध्यान देने की समझाइश दी गई।

हरित छत्तीसगढ़ : एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाएं और धरती को खुशहाल और स्वच्छ बनाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सावन कृष्ण पक्ष षष्ठी, विक्रम संवत् 2081 कोरबा, शुक्रवार दिनांक 26 जुलाई से 01 अगस्त 2024

प्रधानमंत्री मोदी को लाईवलीहुड कॉलेज बस्तर की गतिविधियों की ब्रीफिंग करते हुए तत्कालीन सीईओ हिमांशु गुप्ता, साथ में तत्समय के सीएम डॉ. रमन सिंह।

आईपीएस हिमांशु गुप्ता ने 33 वर्ष पूर्व की थी ए.आई. के भविष्य की परिकल्पना

कोरबा / रायपुर (दिव्य आकाश)।

कोरबा के पूर्व पुलिस अधीक्षक, सरगुजा संभाग के पूर्व आईजी आईपीएस हिमांशु गुप्ता वर्तमान में पुलिस मुख्यालय में महानिदेशक के पद पर पदस्थ हैं और प्रशासन शाखा का कार्य देख रहे हैं। श्री गुप्ता वर्ष 2016 से 2018 के मध्य तीन वर्ष सरगुजा आईजी रहे हैं। सरगुजा संभाग में हिमांशु गुप्ता को अपनी मृदुभाषिता, कार्यकुशलता, मिलनसार व्यवहार तथा आम जनता और पुलिसकर्मियों के लिये कल्याणकारी कार्यों के लिए याद किया जाता है। सरगुजा तथा दुर्ग आईजी के रूप में उन्होंने आग्रह कक्ष की स्थापना की थी, जिसमें हर मंगलवार को आम जनता एवं पुलिसकर्मी उनसे रूबरू अथवा वीडियो कॉल के माध्यम से संवाद कर अपनी समस्याओं का निराकरण करवाते थे। 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी हिमांशु गुप्ता एक सफल पुलिस अधिकारी के साथ-साथ टेक्नोक्रेट भी हैं एवं टेक्नोलॉजी का पुलिसिंग में इनोवेटिव रूप से उपयोग करते हैं।

हिमांशु गुप्ता का छत्तीसगढ़ में बेहतरीन कार्यकाल रहा है। वे पांच जिलों - दंतेवाड़ा, बस्तर, धमतरी, जांजगीर-चांपा तथा कोरबा में एसपी रहे हैं, साथ ही तीन संभागों सरगुजा, बस्तर तथा दुर्ग रेंज आईजी रहे हैं। इसके साथ ही एडीजी इंटेलिजेंस जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है। वे छत्तीसगढ़ के एक ऐसे एकमात्र आईपीएस अधिकारी हैं, जिन्होंने सीईओ जिला पंचायत, आयुक्त-तकनीकी शिक्षा, रोजगार तथा कौशल उन्नयन, सीईओ-छत्तीसगढ़ स्किल डेव्लपमेंट अथॉरिटी तथा सीईओ-लाईवलीहुड कॉलेज प्रोजेक्ट के रूप में सफलतापूर्वक कार्य किया है और नवाचार को बढ़ावा दिया।

सीईओ-छत्तीसगढ़ लाईवलीहुड कॉलेज प्रोजेक्ट की पदस्थापना के दौरान दिनांक 09 मई 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लाईवलीहुड कॉलेज दंतेवाड़ा आगमन हुआ। उस दौरान लगभग 10 मिनट तक हिमांशु गुप्ता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लाईवलीहुड कॉलेज प्रोजेक्ट की ब्रीफिंग का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

वर्ष 1991 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान हिमांशु गुप्ता द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक्स विषय पर रिसर्च पेपर प्रकाशित किया गया था। इस रिसर्च पेपर में उनके द्वारा आम जिंदगी तथा औद्योगिक क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा रोबोट्स के उपयोग, भविष्य तथा खतरों को रेखांकित किया गया था। आज से 33 वर्ष पूर्व, जब ए.आई. को अधिकांश लोग नहीं जानते थे तब श्री गुप्ता द्वारा रिसर्च पेपर के माध्यम से बताया गया था कि ए.आई. के विकास के साथ-साथ उसका दुरूपयोग भी बढ़ेगा तथा आपराधिक व्यक्ति अपराध घटित करने में उसका उपयोग करेंगे। अतएव ए.आई. के विकास के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि ए.आई. का दुरूपयोग न हो। श्री गुप्ता का यह भी मानना है 33 वर्ष पूर्व ए.आई. के जिस मॉडल की परिकल्पना की गई थी, 2024 तक उसका 10 प्रतिशत ही विकास हुआ है। ए.आई. क्षेत्र में अभी भी 90 प्रतिशत विकास बाकी है।

इंजीनियरिंग छात्र के रूप में 33 वर्ष पूर्व एआई विषय पर रिसर्च पेपर प्रकाशित किया था

शायद अधिकांश लोगों को इस बात की जानकारी नहीं होगी कि आईपीएस हिमांशु गुप्ता एक इंजीनियर भी हैं। उन्होंने पढ़ाई के दौरान 33 वर्ष पूर्व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में रिसर्च किया था। वर्ष 1991 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान हिमांशु गुप्ता द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक्स विषय पर रिसर्च पेपर प्रकाशित किया गया था। इस रिसर्च पेपर में उनके द्वारा आम जिंदगी तथा औद्योगिक क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा रोबोट्स के उपयोग, भविष्य तथा खतरों को रेखांकित किया गया था। आज से 33 वर्ष पूर्व, जब ए.आई. को अधिकांश लोग नहीं जानते थे तब श्री गुप्ता द्वारा रिसर्च पेपर के माध्यम से बताया गया था कि ए.आई. के विकास के साथ-साथ उसका दुरूपयोग भी बढ़ेगा तथा आपराधिक व्यक्ति अपराध घटित करने में उसका उपयोग करेंगे। अतएव ए.आई. के विकास के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि ए.आई. का दुरूपयोग न हो। श्री गुप्ता का यह भी मानना है 33 वर्ष पूर्व ए.आई. के जिस मॉडल की परिकल्पना की गई थी, 2024 तक उसका 10 प्रतिशत ही विकास हुआ है। ए.आई. क्षेत्र में अभी भी 90 प्रतिशत विकास बाकी है।

भूपेश सरकार के सोलर लाइट खरीदी की होगी जांच

विधानसभा में मंत्री राम विचार नेताम का ऐलान

रायपुर,एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के दौरान आदर्श ग्राम योजना में सोलर लाइट खरीदी की जांच होगी। इसकी जांच विधानसभा की समिति करेगी। इसे लेकर विधानसभा में गुरुवार को मानसून सत्र के चौथे दिन मंत्री राम विचार नेताम ने घोषणा की है।

दरअसल, कोंडागांव से बीजेपी विधायक लता उसेंडी ने प्रश्नकाल के दौरान साल 2021-22 में सोलर लाइट खरीदी का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूछा कि, कोंडागांव में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत सोलर स्ट्रीट लाइट की कितनी शिकायत हुई? क्या कार्रवाई हुई? इस पर मंत्री नेताम ने जवाब दिया कि, कोई शिकायत नहीं है।

फिर उसेंडी ने कहा कि अफसरों ने सदन को गलत जानकारी दी है। मेरे पास सूचना के अधिकार से जानकारी है कि तीन शिकायतें हुई हैं और जांच भी हुई। पूरे प्रदेश में सोलर लाइट भ्रष्टाचार का केंद्र बिंदु बना हुआ है। उसेंडी ने पूछा था कि जांच कराएंगे क्या? इस पर नेताम ने जांच की घोषणा की।

कांग्रेसियों पर मंत्री का तंज

उसेंडी के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि, किए तो आप लोग हैं (कांग्रेस विधायकों की ओर इशारा करते हुए) और हम लोग भर रहे हैं। आप लोगों ने कांग्रेस सरकार के समय सभी नियम-कानून, कायदे को ताक में रखकर सब काम किया है। मनमाने तरीके से काम किया है।

लता उसेंडी इस सदन की सदस्य ही नहीं बल्कि हमारे प्रदेश की कद्दावर नेता हैं। इन समस्त विषयों को देखते हुए मैं सदन की समिति से जांच करने में सहमत हूं। इस तरह के प्रकरण के दायरे को बढ़ाते हुए पूरे प्रदेश स्तर में इसकी जांच होगी।

गलत तरीके से खरीदी हुई

हाल ही में यह बात भी सामने आई थी कि बस्तर संभाग के 7 जिलों बस्तर, कांकेर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा, कोंडागांव और बिलासपुर संभाग के कोरबा में खनिज न्यास निधि और सांसद मद से करीब 100 करोड़ में सेमी इंटीग्रेटेड सोलर लाइट की खरीदी ग्राम पंचायतों के माध्यम से की गई है।

जबकि ग्राम पंचायत खरीदी के लिए अधिकृत ही नहीं हैं। इतना ही नहीं एक सेमी इंटीग्रेटेड सोलर लाइट का बिल 45 हजार रुपये पेश किया गया है, जबकि यहीं बाजार में अधिक से अधिक 15 हजार रुपये में आसानी से मिल रहा है। इस मामले के उजागर होने के बाद अप्रैल में बस्तर संभाग के कमिश्नर ने भुगतान रोकने को भी कहा था।

छत्तीसगढ़ में बदलेगी पुलिस ट्रांसफर पॉलिसी

नक्सल इलाकों में पोस्टेड कर्मचारी ऑनलाइन कर सकेंगे आवेदन, गृहमंत्री बोले- नहीं लगाने होंगे मंत्री-नेताओं के चक्कर

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में पुलिस की ट्रांसफर-पोस्टिंग नीति को भाजपा सरकार बदलने जा रही है। इसके बाद पुलिसकर्मियों को विभाग के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इससे पहले भूपेश सरकार में अगस्त 2022 में पुलिस ट्रांसफर पॉलिसी बनी थी।

दरअसल, यह नीति नक्सल प्रभावित इलाकों में काम कर रहे पुलिसकर्मियों के लिए बनाई जा रही है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने विधानसभा में कहा कि, नीति आने के बाद किसी भी पुलिसकर्मी को नेता-मंत्रियों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

विधानसभा में कांग्रेस विधायक सावित्री मंडावी ने नक्सल क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर और आवास का मुद्दा उठाया था। इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने जवाब दिया।

कांग्रेस विधायक सावित्री मंडावी ने पुलिसकर्मियों के तबादले का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूछा कि, पुलिसकर्मियों के मैदानी इलाकों में पदस्थापना का क्या प्रावधान है? पदस्थापना के लिए विभाग के क्या दिशा-निर्देश हैं? कर्मचारियों के लिए दिशा-निर्देश कब तक जारी होंगे और उनके आवास की क्या व्यवस्था है?

इस पर डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि, नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर के लिए नई पॉलिसी बनाई जा रही है। ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन सिस्टम बन रहा है। ट्रांसफर योग्य अधिकारी, कर्मचारी ऑनलाइन आवेदन करेंगे। ट्रांसफर आदेश घर तक पहुंच जाएगा।

पुलिस मुख्यालय की स्थापना समिति अभी लेती है निर्णय

गृहमंत्री शर्मा ने बताया कि, नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिसकर्मियों की पदस्थापना का विभाग से दिशा-निर्देश जारी है। तबादले का निर्देश पुलिस मुख्यालय की स्थापना समिति निर्णय लेती है। नक्सल क्षेत्र से मैदानी इलाकों में ट्रांसफर के लिए नियम पहले से हैं। ट्रांसफर करने के दौरान इन नियमों का ध्यान रखा जाता है।

नक्सल इलाकों में 3 साल नौकरी के बाद ही तबादला

विजय शर्मा ने कहा, जो स्ढ्ढ से निरीक्षक के पद पर प्रमोट होते हैं, उनकी कम से कम 3 साल के लिए नक्सल क्षेत्रों में तैनाती की जाती है। या फिर जिन कर्मचारियों की उम्र 54 वर्ष से कम है, उनकी भी पदस्थापना का प्रावधान है। नक्सल इलाकों में 3 साल नौकरी के बाद पुलिसकर्मियों की अन्य जिलों में ट्रांसफर का प्रावधान है।

छत्तीसगढ़ में एनजीओ संचालक के घर एनआईए की छापेमारी

भिलाई के कलादास डहरिया पर नक्सल एक्टिविटी से जुड़े होने का शक, लैपटॉप, पेनड्राइव, फोन जब्त

दुर्ग-भिलाई, एजेंसी।

भिलाई में छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा मजदूर कार्यकर्ता समिति के सदस्य कला दास डहरिया से पूछताछ करने एनआईए की टीम पहुंची। जामुल लेबर कैम्प स्थित घर के बाहर सीआईएसएफ और जामुल पुलिस की टीम भी तैनात रही। बताया जा रहा है कि कार्रवाई नक्सल गतिविधियों से जुड़े होने के शक में की गई है। हालांकि एनआईए की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

एनआईए की टीम कला दास की बेटी का खराब लैपटॉप, पेन ड्राइव और मोबाइल फोन जब्त करके ले गई है। कला दास डहरिया रेला नाम का जनवादी सांस्कृतिक संगठन चलाते हैं।

ये एनजीओ किसान, आदिवासी और मजदूरों के संगठन के लिए काम करता है। इसके लिए इसे देश भर से फंडिंग मिलती है। एक स्थानीय अधिवक्ता ने बताया कि सुबह 5.30 बजे छत्तीसगढ़ से बाहर की 4-5 गाड़ियों में भरकर आए लोगों ने छापेमारी की। इस दौरान आसपास के घरों से भी लोगों के आने-जाने पर रोक रही।

एनआईए ने नक्सलियों से संपर्क को लेकर सवाल पूछे

कार्रवाई को लेकर कला दास डहरिया ने कहा कि एनआईए ने उनसे नक्सली संपर्क को लेकर सवाल-जवाब किए हैं। मैं जनगायक हूं, इसलिए कई लोगों के पास मेरा मोबाइल नंबर है, ऐसे में ये नक्सलियों से सांठगांठ की शंका गलत है।

डहरिया बोले- मैंने मजदूर-किसानों की बात की, इसलिए कार्रवाई

सरकार को ये बर्दाश्त नहीं कि हम मजदूरों और किसानों के लिए बात करें। मैंने पूछा था कि क्या औद्योगिक क्षेत्र में जांच कर पाएंगे कि मजदूरों का जीवन कैसे चल रहा है। इसी आवाज को दबाने के लिए कार्रवाई की जा रही है। डहरिया ने बताया कि 1 अगस्त को उन्हें रांची बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि रेला हमारा सांस्कृतिक काम है।

जनवादी संगठन है रेला

छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के संतोष साहू ने बताया कि रेला एक जनवादी संगठन है, जो छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के साथ मिलकर काम करता है। इस जन संगठन को चलाने वालों को राज्य से कई लोग मदद करते हैं, लेकिन वह मदद छोटे-छोटे रूप में होती है।

ऐसा नहीं है कि कहीं किसी अनजान जगह से करोड़ों को फंडिंग होती है। रेला की टीम है पूरे देश में मजदूर, आदिवासी और गरीबों के लिए काम करती है।

छत्तीसगढ़ में छात्राओं को मिलेगी पीरियड्स में छुट्टी:लॉ यूनिवर्सिटी ने लागू की मेंस्ट्रुअल लीव पॉलिसी; ऐसा करने वाला प्रदेश में पहला संस्थान

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी अब छात्राओं को मेंस्ट्रुअल लीव देगी। यूनिवर्सिटी ने यह पॉलिसी 1 जुलाई 2024 से लागू कर दी है। मेंस्ट्रुअल लीव पॉलिसी लागू करने वाला यह संस्थान प्रदेश का पहला और देश का 6वां गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट है।

यूनिवर्सिटी की ओर से बताया गया है कि, यह अवकाश नीति एचएनएलयू 'हेल्थ शील्ड' पहल का हिस्सा है। पॉलिसी के मुताबिक छात्राएं पीरियड्स के दौरान महीने के एक दिन और 1 सेमेस्टर में 6 दिनों की छुट्टी ले सकेंगी। यह लीव उनके अटेडेंस में भी काउंट होगी। विश्वविद्यालय ने योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक नोडल अधिकारी को भी नियुक्त किया है।

मानसून सत्र: निशिकांत दुबे बोले- बांग्लादेशियों की घुसपैठ बढ़ रही,झारखंड में आदिवासी 10 प्रतिशत कम हुए, घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं के साथ शादी कर रहे: हंगामा भी

नई दिल्ली, एजेंसी।

संसद के मानसून सत्र का गुरुवार (25 जुलाई) को चौथा दिन है। दोनों सदनों में बजट पर बहस जारी है। झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि संविधान खतरे में है। हम यहां हंसने की बात करते हैं, पिछड़ों की बात करते हैं, दलितों की बात करते हैं, आदिवासियों की बात करते हैं। सभी सरकारों (चाहें केंद्र की हो या राज्य सरकारें) का एक ही लक्ष्य होता है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना होता है।

उन्होंने कहा कि मैं संथाल परगना से आता हूं। जब संथाल परगना (झारखंड) बिहार से अलग हुआ, तब यहां आदिवासी 36 प्रतिशत थे। आज यहां आदिवासियों की पॉपुलेशन 26 प्रतिशत है। 10 प्रतिशत आदिवासी कहां गायब हो गए? इसके बार में ये सदन कभी चर्चा नहीं करता, चिंता नहीं करता, बल्कि वोट बैंक की पॉलिटिक्स करता है।

झारखंड की सरकार की तरफ से भी इस पर कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा। बांग्लादेश का घुसपैठ लगातार बढ़ रहा है। बांग्लादेश घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं के साथ शादी कर रहे हैं। ये हिंदू-मुसलमान का मामला नहीं है। हमारे यहां जो महिला लोकसभा का चुनाव आदिवासी कोटे से लड़ती हैं, उनके पति मुसलमान हैं। जिला परिषद की अध्यक्ष के पति मुसलमान हैं। हमारे यहां 100 आदिवासी मुखिया है, उनके पति मुसलमान हैं।

राज्य सभा में जितेंद्र सिंह बोले- बीते दो साल में पेपर लीक की कोई घटना नहीं हुई

केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्य सभा में बताया कि PSC, SSC, RRB और IBPS की तरफ से बीते दो साल में कराए गए एग्जाम में पेपर लीक की कोई घटना नहीं हुई है। सिर्फ 5 मई को NTA की तरफ से कराए गए NEET(UG) में कुछ गड़बड़ियों की बात सामने आई है।

चन्नी बोले- मणिपुर हिंसा, हाथरस रेप केस, पहलवानों से हिंसा ये सब इमरजेंसी

पंजाब के पूर्व सीएम और जालंधर से कांग्रेस सांसद ने कहा- पंजाब में सिद्धू मूसेवाला जैसे युवाओं को मारा जा रहा है। किसानों को खालिस्तानी बताया जा रहा है। मणिपुर हिंसा, हाथरस रेप केस, पहलवानों से हिंसा सब इमरजेंसी ही है।

इससे पहले लोकसभा में संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- बजट सत्र में सिर्फ बजट पर चर्चा होनी चाहिए। जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनादेश दिया है, आप इसका अपमान करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बिल्कुल ठीक नहीं है।

रिजिजू के यह बोलते ही विपक्ष के सांसद हंगामा करने लगे। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने सभी सांसदों से मर्यादा बनाए रखने की अपील की।

राघव चड्ढा बोले- टैक्स इंग्लैंड जैसा और सुविधाएं सोमालिया जैसी

आप सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में कहा कि सरकार के टैक्स इंग्लैंड की तरह बहुत ज्यादा हैं, लेकिन सुविधाएं सोमालिया की तरह बदतर हैं। चुनावों में बीजेपी की दुर्दशा के तीन कारण हैं - इकोनॉमी, इकोनॉमी और इकोनॉमी है।

चन्नी ने सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मुद्दा उठाया

पंजाब के पूर्व सीएम और जालंधर के सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने बजट पर चर्चा के दौरान कहा- सदन में प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री कहां है? हमें जानना है कि हमें बजट में आपने क्या दिया।

सरकार रोज इमरजेंसी की बात करती है। लेकिन पंजाब में सिद्धू मुसेवाला जैसे युवाओं को मारा जा रहा है, यह भी इमरजेंसी है। किसानों को खालिस्तानी बताया जा रहा है, यह भी इमरजेंसी है। मणिपुर हिंसा, हाथरस रेप केस, पहलवानों से हिंसा सब इमरजेंसी ही है।

प्रश्नकाल खत्म, बजट पर चर्चा शुरू

लोकसभा में प्रश्नकाल खत्म होने के बाद अब बजट पर चर्चा शुरू हो गई है। इस चर्चा में सबसे पहले पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर से सासंद चरणजीत सिंह चन्नी बोलने आए।

सभापति ने महिला सांसद से कहा- आप हरी साड़ी पहनकर आई हैं, सदन के माहौल को शांत करिए

टीएमसी सांसद साकेत गोखले केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र सिंह से मिले जवाब के बाद हंगामा करने लगे। जिस पर स्पीकर ने उन्हें संसद में अनुशासन में अनुशासन बनाए रखने की बात कही।

गोखले के बाद सवाल पूछने उठी बीजेडी सांसद सुलता देवी से सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आप हरी साड़ी पहने हुए हैं, ऐसे में अपने सवाल से संसद के तापमान को कम कीजिए और शांति का माहौल बनाइए। सुलता देवी ने मयूरभंज की संस्कृति और धरोहर के संरक्षण से जुड़ा सवाल पूछा।

राज्यसभा में AAP सांसद संजय सिंह ने ज्यूडिशरी में आरक्षण पर सवाल पूछा

राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने ज्यूडिशरी में आरक्षण की व्यवस्था को लेकर सवाल पूछा? जिसके जवाब में कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि न्यायिक व्यवस्था में आरक्षण का उल्लेख संविधान नहीं है।

राज्यसभा में लखनऊ यूनिवर्सिटी को सेंट्रल यूनिवर्सिटी बनाने की मांग उठी

राज्यसभा में भाजपा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने लखनऊ विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने की मांग उठाई। उन्होंने कहा- इससे विश्वविद्यालय में संसाधन बढ़ेंगे, जिसका लाभ छात्रों को मिलेगा।

सुविचार

सब समय का खेल है, जितने भी प्लानिंग कर लीजिए, होता वही है जो समय चाहता है

चिंतन

चुनाव की चिंता

मंगलवार 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना सातवां और मोदी 3.0 का पहला बजट पेश कर देश में वाह-वाही लूटी। इस बजट से मध्यम वर्ग और युवा वर्ग को उम्मीद है कि कुछ उनके लिए भी होगा। बजट में रोजगार सृजन करने का प्रयास दिख रहा है। अर्थ व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में निर्मला सीतारमण की दूरदर्शिता बजट में साफ झलक रही है। मोदी के विजन को पूरा करने का यह बजट ठोस नींव साबित होगा, ऐसा मोदी का मानना है। बजट में युवाओं के स्किल डेवलपमेंट पर जोर दिया गया है। टैक्स पेयर को कुछ राहत दी गई है। टैक्स ढांचे में बदलाव किया गया है। बजट में मोदी सरकार की 9 प्राथमिकताएं गिनाई गई हैं, जिनमें कृषि को बढ़ावा देने और अन्न दाताओं को राहत देने, रोजगार और कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा , अधोसंरचना विकास, अनुसंधान और विकास, अगली पीढ़ी के लिए भविष्य का सुधार, कई विशिष्ट योजनाओं की शुरूआत, मनरेगा में 100 दिन का रोजगार, सौर ऊर्जा पर फोकस, गरीबों की छत की चिंता, बाढ़ पीड़ित बिहार की चिंता, आंध्रप्रदेश में राजधानी की चिंता, हाईवे के जरिये राज्यों की कनेक्टिविटी बढ़ाना, बच्चों के लिए पेंशन योजना के तहत एनपीएस वात्सल्य शुरू करने की बड़ी योजना। सामाजिक सुरक्षा लाभ में सुधार के उपायों की घोषणा, मृतप्राय हो रहे छोटे उद्योगों को संजीवनी देने की घोषणा, उच्च शिक्षा के लिए बच्चों के ऋण में राहत की घोषणा, मुद्रा योजना में ऋण की सीमा 20 लाख करने की घोषणा, कस्टम ड्यूटी घटाकर सोना-चांदी को सस्ता करने की घोषणा, शहरी मकानों के लिए कर्ज सस्ता और सब्सीडी देने की घोषणा, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत युवाओं को 5 हजार रूपए का मासिक भत्ता देने का ऐलान, देश के 100 शहरों में औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा, जिसमें एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण मिलेगा। शहरी क्षेत्रों में भूमि रिकार्ड का डिजिटलीकरण सहित जीएसटी कर ढांचे को सरल बनाने की योजना, पीपीपी मॉडल से श्रमवीरों के लिए छात्रावास की सुविधा जैसी कई घोषणाएं वित्तमंत्री निर्मला सीतामरण ने कल आगामी कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की चिंता की है। लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन से चुके एनडीए को कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में संजीवनी मिलने की उम्मीद है, क्योंकि बजट में युवाओं और मध्यम वर्ग को फोकस किया गया है।

संपादक

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

शिक्षा और स्वास्थ्य मोदी सरकार के प्राथमिक चिंतन में शामिल नहीं

मंगलवार को मोदी 3.0 का पहला बजट पेश किया गया, जिसमें शायद शिक्षा और स्वास्थ्य मोदी सरकार के प्राथमिक चिंतन में शामिल नहीं हुए । लोगों को उम्मीद थी कि चूंकि शिक्षा के जरिये ही युवा आगे बढ़ पाएंगे और मोदी का विजन-2047 तक विकसित भारत का संकल्प को पूरा करने में युवाओं की भागीदारी होगी। युवाओं को बढ़ाने के लिए शिक्षा पर बजट बढ़ाना था। हालांकि बजट में शिक्षा का 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है और शिक्षा का कुल बजट 1.48 लाख करोड़ रूपए रखा गया है। सरकार को शिक्षा बजट में कई विकसित राज्यों की तरह राशि बढ़ानी थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान में बड़ी घोषणा की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बजट में सिर्फ 90, 171 करोड़ की स्वास्थ्य पर रखा गया है, जो स्वस्थ भारत के लिए काफी कम है।

निर्मला ने कहा-विपक्ष जानबूझकर आरोप लगा रहे- ताकि राज्यों को लगे उन्हें कुछ नहीं मिला

विपक्ष द्वारा बजट को भेदभाव वाला बताने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- बजट में सभी राज्यों का नाम लेने का मौका नहीं मिलता। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष के नेता जानबूझकर ऐसे आरोप लगा रहे हैं, ताकि लोगों को लगे कि उनके राज्य को कुछ नहीं मिला। यह ठीक नहीं है।

घटी कस्टम ड्यूटी-

मोबाईल फोन और सोना-चांदी सस्ता

रोजगार और कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी पांच योजनाओं के लिए दो लाख करोड़

उच्च शिक्षा के लिए युवाओं को रियायती कर्ज

मुद्रा योजना के तहत अब लोन 20 लाख तक

छोटे उद्योगों को बढ़ाने का जतन

7.75 लाख रूपए तक टैक्स फ्री

500 टॉप कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप

बजट पर सरकार-विपक्ष आमने-सामने

पीएम मोदी-विकसित भारत की ठोस नींव रखने वाला बजट

राहुल-कांग्रेस के घोषणापत्र का कापी पेस्ट

23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी 3.0 का पहला आम बजट पेश किया और उन्होंने ऐतिहासिक 7वीं बार आम बजट पेश कर नया रिकार्ड कायम किया। यह बजट देश को रास आया, लेकिन विपक्ष को रास नहीं आया और बजट के दूसरे दिन संसद में बजट चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ और विपक्ष ने इसे सरकार बचाओ बजट बताया। राहुल गांधी ने इसे कांग्रेस का घोषणा पत्र कापी बता दी, वहीं सदन में विपक्ष ने इसे सरकार बचाओ बजट बताकर हंगामा किया और सदन से वॉकआउट कर लिया।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष पर आरोप लगाया और कहा कि बजट में सभी राज्यों का नाम लेना संभव नहीं है। विपक्ष के ऐसे आरोप से राज्यों को लगता है कि उन्हें कुछ नहीं मिला जबकि यह बजट विकसित भारत के विजन को पूरा करने के लिए ठोस नींव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किये गए बजट को विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए ठोस नींव बताया, वहीं विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसे कांग्रेस के घोषणा पत्र का कापी पेस्ट बता दिया और कहा कि पुराने बजट को तोड़ मरोड़कर और कांग्रेस के घोषणा पत्र को कापी पेस्ट कर मिला जुलाकर फिर से पेश कर दिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि-माता जी ने जो बजट पेश किया है, वह सरकार बचाओ बजट है। पूरे बजट में सिर्फ बिहार और आंध्रप्रदेश को पूरा दिया गया है और 90 प्रतिशत देश को छोड़ दिया गया है। सरकार के नुमाइंदे कहते हैं कि विकसित भारत के लिए सभी राज्यों का विकसित होना जरूरी है और सरकार ने बजट में सभी राज्यों को भरपूर दिया है। उधर विपक्ष से पंजाब सरकार ने आरोप लगाया है कि पंजाब बजट में कहीं भी दिख नहीं रहा है। महाराष्ट्र में भी विपक्षी दल तख्ती लेकर विरोध कर रहे हैं कि महाराष्ट्र को कुछ नहीं मिला। उत्तर प्रदेश में सपा ने आरोप लगाया है कि मोदी-योगी की लड़ाई में उत्तर प्रदेश को पूरी तरह से उपेक्षित रखा गया है। सरकार में शामिल एनडीए गठबंधन खुश दिखाई दे रहा है, तो विपक्ष को यह बजट रास नहीं आ रहा है।

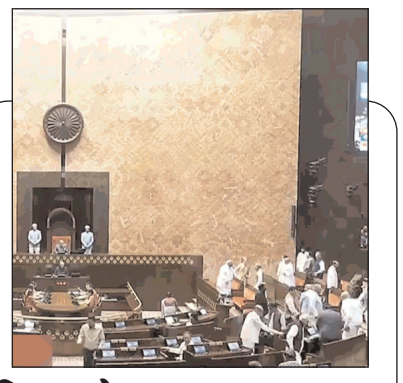

विपक्ष ने कहा-यह सरकार बचाओ बजट है

इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने कहा- इस बजट से 90 प्रतिशत देश गायब है। सिर्फ बिहार और आंध्र प्रदेश को खुश किया गया है, क्योंकि यहां के मुख्यमंत्रियों के भरोसे केंद्र की सरकार चल रही है। यह मोदी सरकार बचाओ बजट है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बजट को कांग्रेस के घोषणापत्र का कापी पेस्ट बता दिया, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने इसे सरकार बचाओ बजट करार दिया।

रोजगार बढ़ाने बजट में प्रोत्साहन

पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों के लिए एक महीने के वेतन का भुगतान और ईपीएफओ योगदान के लिए दो साल के लिए 3 हजार रूपय प्रतिमाह तक का रिम्बर्समेंट शामिल है।

मध्यम वर्ग को कर में राहत

मध्यम वर्ग के लिए मानक कटौती 50 प्रतिशत बढ़ाकर 75 हजार कर दी गई है। नई आयकर व्यवस्था का विकल्प चुनने वाले कर दाताओं के लिए कर स्लैब में बदलाव किया गया है।

2024 का बजट:नई टैक्स रिजीम में 7.75 लाख रुपए तक की इनकम टैक्स फ्री, मोबाइल फोन और सोना-चांदी सस्ते होंगे

नई टैक्स रिजीम में बदलाव, 7.75 लाख रुपए तक की इनकम टैक्स फ्री

न्यू टैक्स रिजीम चुनने वालों के लिए अब 7.75 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री हो गई है। नई टैक्स रिजीम में अब 50 हजार की जगह 75 हजार रुपए का स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलेगा।पुरानी टैक्स रिजीम चुनने पर 2.5 लाख रुपए तक की इनकम ही टैक्स फ्री रहेगी, लेकिन इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 87 के तहत 5 लाख तक की इनकम पर टैक्स बचा सकते हैं।

मोबाइल फोन और सोना-चांदी सस्ते होंगे, सरकार ने कस्टम ड्यूटी घटाई

बजट में इस बार सरकार ने मोटे तौर पर 7 चीजों पर कस्टम ड्यूटी घटा दी है और 2 की ड्यूटी बढ़ा दी है। इससे करीब 7 प्रोडक्ट सस्ते और 2 प्रोडक्ट महंगे हो सकते हैं।

सस्ते होने वाले प्रोडक्ट में मोबाइल फोन, कैंसर की दवाएं और सोना-चांदी है। वहीं प्लास्टिक से जुड़े प्रोडक्ट महंगे हो सकते हैं।

एम्प्लॉई और एम्प्लॉयर्स के लिए रोजगार से जुड़ी तीन स्कीम

पहली बार जॉब करने वालों के लिए स्कीम

इपीएफओ में पहली बार रजिस्टर होने वाले एम्प्लॉइज को एक महीने की सैलरी के बराबर राशि (15,000 रुपए से ज्यादा नहीं), तीन किस्तों में ट्रांसफर होगी। इससे 2 करोड़ 10 लाख युवाओं को फायदा मिलने की संभावना है। मैन्युफैक्चरिंग में जॉब क्रिएशन के लिए स्कीम

बी: एम्प्लॉयमेंट के पहले 4 साल में एम्प्लॉई और एम्प्लायर दोनों को उनके इपीएफओ कॉन्ट्रीब्यूशन के अनुसार इंसेंटिव मिलेगा। इस योजना से 30 लाख युवाओं को फायदा मिलने की संभावना है।

एम्प्लॉयर्स के लिए स्कीम **सी:** सरकार हर एक एडिशनल एम्प्लॉई के लिए ईपीएफओ योगदान के लिए एम्प्लॉयर्स को दो साल तक हर महीने 3,000 रुपए तक का रीइंबर्समेंट करेगी। इस योजना से 50 लाख लोगों को एडिशनल एमप्लॉयमेंट मिलने की उम्मीद है।

एग्रीकल्चर के लिए 1.52 लाख करोड़ किसान सम्मान निधि में बदलाव नहीं

सरकार ने एग्रीकल्चर और उससे जुड़े सेक्टरों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए दिए। पिछले साल 1.25 लाख करोड़ रुपए दिए गए थे। यानी इस बार किसानों के लिए बजट 21.6 प्रतिशत यानी 25 हजार करोड़ रुपए बढ़ाया गया।

किसानों की लगातार मांग के बाद भी मिनिमम सपोर्ट प्राइस यानी एमएसपी को लेकर बजट में कोई घोषणा नहीं हुई। वहीं किसान सम्मान निधि की राशि भी नहीं बढ़ाई गई है, ये 6,000 रुपए ही रहेगी। इसकी 8000 होने की उम्मीद थी।

एक करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप प्रोग्राम का ऐलान, टॉप 500 कंपनियों में इंटर्नशिप

सरकार 500 टॉप कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर देने के लिए एक योजना शुरू करेगी।

इसमें हर महीने 5000 रुपए इंटर्नशिप भत्ता और 6000 रुपए की एकमुश्त सहायता दी जाएगी।

मुद्रा लोन की लिमिट दोगुनी हुई,एमएसएमइ को अब 10 लाख की जगह 20 लाख तक लोन

मुद्रा लोन की लिमिट दोगुनी हो गई है। पहले इस स्कीम में 10 लाख रुपए तक का लोन दिया था, जो अब 20 लाख रुपए हो गया है। बढ़ी लिमिट का फायदा केवल उन्हें मिलेगा जो एक बार लोन लेकर चुका चुके हैं।

पीएम मुद्रा योजना में तीन कैटेगरी है। शिशु लोन, किशोर लोन और तरुण लोन। शिशु लोन के तहत 50 हजार रुपए, किशोर में 5 लाख तक और तरुण के तहत 10 लाख रुपए तक का लोन दिया जाता था।

नाबालिगों के लिए एनपीएस वात्सल्य स्कीम की घोषणा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एनपीएस वात्सल्य स्कीम की घोषणा की। नाबालिगों को इसके जरिए लॉन्ग टर्म सेविंग का ऑप्शन मिलेगा। इस स्कीम में माता-पिता और अभिभावक बच्चों की ओर से निवेश कर सकेंगे। बालिग होने पर अकाउंट रेगुलर एनपीएस में बदल जाएगा।

महिलाओं के लिए 3 लाख करोड़ दिए होस्टल भी बनेंगे

महिलाओं और लड़कियों को फायदा पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ से अधिक का आवंटन किया गया है।

सरकार वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कामकाजी महिलाओं के लिए होस्टल बनाएगी।

नालंदा को पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देगी सरकार

केंद्र सरकार बिहार के नालंदा-राजगीर कॉरिडोर सहित नालंदा को पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देगी।

काशी विश्वनाथ मंदिर की तरह विष्णुपद मंदिर और महाबोधि मंदिर में कॉरिडोर को डेवलप करेगी।

फ्यूचर एंड ऑप्शन पर एसटीटी टैक्स बढ़ाया

फ्यूचर पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स यानी एसटीटी 0.0125 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.02प्रतिशत हुआ।

ऑप्शन ट्रांजैक्शन पर 0.0625 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.1प्रतिशत लगाने का ऐलान किया गया है।

एफ×ओ में छोटे निवेशकों की बढ़ती संख्या और घाटे के कारण सरकार ने ऐसा किया।

लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन की छूट 1 लाख से बढ़ाकर 1.25 लाख

इक्विटी इन्वेस्टमेंट में शार्ट टर्म कैपिटल गेन पर टैक्स रेट 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दी गई है।

लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर टैक्स दर10ब्र से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत करने का ऐलान किया गया है।

लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन की छूट की सीमा को 1 लाख से बढ़ाकर 1.25 लाख कर दिया है।

सरकार ने एंजेल टैक्स खत्म किया स्टार्टअप्स को राहत मिलेगी

कोई प्राइवेट कंपनी अपने शेयर उसके फेयर वैल्यू से अधिक कीमत पर बेचती है, तो उस कंपनी को एजेंल टैक्स पेमेंट करना पड़ता था। आम तौर पर एंजेल स्टार्टअप्स कंपनियों पर लगता था, जब उनमें कोई इन्वेस्ट करता था। इससे स्टार्टअप्स को टैक्स से राहत मिलेगी।

12. बिहार एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज और स्पोर्ट इंफ्रा का प्रस्ताव

26,000 करोड़ रुपए की लागत से पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे, बक्सर-भागलपुर हाईवे, बोधगया-राजगीर-वैशाली-दरभंगा में बेहतर सड़क संपर्क और बक्सर में गंगा नदी पर एक एडिशनल दो-लेन पुल का डेवलपमेंट होगा।

अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर पर बिहार के गया में इंडस्ट्रियल नोड डेवलप किया जाएगा। यह पूर्वी क्षेत्र के विकास को गति देगा। राज्य में एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज और स्पोर्ट इंफ्रा की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा।

आंध्र प्रदेश के लिए 15,000 करोड़ का स्पेशल पैकेज, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भी बनेगा

आंध्र प्रदेश के लिए 15,000 करोड़ रुपए के स्पेशल पैकेज की घोषणा। इसी वित्तीय वर्ष में ये पैसे जारी किए जाएंगे। ये सीएम चंद्रबाबू नायडू के ड्रीम प्रोजेक्ट अमरावती को डेवलप करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

विशाखापट्टनम-चेन्नई-ओरवाकल-हैदराबाद इंडस्ट्रियल कॉरिडोर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही एक हैदराबाद-बेंगलुरु इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भी बनेगा। रायलसीमा, प्रकाशम और उत्तरी आंध्र प्रदेश जिलों के लिए स्पेशल बैकवर्ड एरिया फंड की भी घोषणा।

डिफेंस के लिए 6.22 लाख करोड़ रुपए का बजट

डिफेंस के लिए 6.22 लाख करोड़ रुपए का बजट अलोकेट किया है। यह फरवरी में अंतरिम बजट में मिले 6.21 लाख करोड़ रुपए से 400 करोड़ रुपए ज्यादा है।

हथियारों की खरीद और सैलरी-पेंशन को मिलने वाला बजट जस का तस है। 400 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी रक्षा मंत्रालय के हिस्से गई है।

एक करोड़ लोगों को हर महीने 300 यूनिट तक फ्री बिजली फॉर्मूला

पीएम सूर्योदय योजना के तहत एक करोड़ से अधिक घरों में 300 यूनिट सोलर बिजली फ्री दी जाएगी। अंतरिम बजट में इसकी घोषणा हुई थी। इस बजट में बताया गया कि पैदा होने वाली सोलर एनर्जी सीधे उस घर को मिलने के बजाय पहले सप्लाई ग्रिड में जाएगी।

एक करोड़ गरीब और मध्यम वर्ग परिवारों के लिए घर बनेंगे

पीएम आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश से 1 करोड़ गरीब और मध्यम वर्ग परिवारों के लिए घर बनाए जाएंगे।

सरकार पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के जरिए इंडस्ट्रियल वर्कर्स के लिए डोर्मिटरी स्टाइल के किराए के घर डेवलप करेगी।

प्रॉपर्टी बेचने पर महंगाई का फायदा नहीं लेकिन टैक्स घटाया

पहले इंडेक्सेशन (जिस कीमत पर घर खरीदा है, उसे महंगाई के हिसाब से जोड़कर टैक्स निकालते हैं) के साथ 20 प्रतिशत टैक्स लगता था, अब इसे 12.5 प्रतिशत कर दिया गया। असर ये होगा कि महंगाई के मुकाबले यदि घर ज्यादा महंगा हुआ तो नई व्यवस्था में लाभ है। अगर कम महंगा हुआ है तो आपको नुकसान होगा।

यदि 30 लाख का घर 23 साल बाद 3 करोड़ में बेचा तो अभी 38.22 लाख रु. टैक्स लगता है, अब 33.75 लाख रु. लगेंगे। घर किराए की आय 'बिजनेस इनकम' में नहीं जाएगी= मकान मालिक अब घर के किराए से होने वाली आमदनी को 'बिजनेस इनकम' में दिखाकर लाभ नहीं उठा पाएंगे।

हायर एजुकेशन के लिए स्टूडेंट्स को मदद

स्टूडेंट्स को हायर एजुकेशन के लिए देशभर की संस्थानों में एडमिशन के लिए 10 लाख रुपए तक का लोन दिया जाएगा।

इसके लिए हर साल एक लाख छात्रों को ई-वाउचर मिलेंगे, लोन के अमाउंट पर 3प्रतिशत ब्याज सरकार देगी।

पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान, 5 करोड़ आदिवासियों को फायदा मिलेगा

आदिवासी समुदायों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जाएगा।

योजना के तहत आकांक्षी जिलों और जनजातीय बहुल गांवों में जनजातीय परिवारों के पूर्ण कवरेज के लिए कदम उठाए जाएंगे। इस योजना से 63,000 गांवों को कवर किया जाएगा और 5 करोड़ आदिवासी लोगों को फायदा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत मौसम अनुकूल सड़कें बनेंगी

इस योजना के चौथे चरण की शुरुआत की जाएगी। इसके तहत 25,000 ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसम के अनुकूल सड़कें बनाई जाएंगी।

एनपीएस में एम्प्लॉयर्स कॉन्ट्रीब्यूशन लिमिट 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत की

प्राइवेट सेक्टर में एम्प्लॉयर्स के लिए एनपीएस कॉन्ट्रीब्यूशन लिमिट एमप्लॉई की बेसिक सैलरी के 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दी गई है। नई लिमिट प्राइवेट और पब्लिक दोनों सेक्टर के कर्मचारियों के लिए है।

एनपीएस में एम्प्लॉयर का कॉन्ट्रीब्यूशन ऑप्शनल है। फिर भी, आजकल कई कंपनियां एनपीएस फैसिलिटी देती हैं ताकि वे खुद आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (I) (IV) के अनुसार टैक्स बेनिफिट ले सकें।

MSMES इंटरनेशल मार्केट में प्रोडक्ट बेच सकेंगे

पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मोड में ई-कॉमर्स माध्यम से एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए हब बनाए जाएंगे।

इससे एक छत के नीचे ट्रेड और एक्सपोर्ट-रिलेटेड सर्विसेज की सुविधा मिलेगी। MSMES इंटरनेशल मार्केट में प्रोडक्ट बेच सकेंगे।

ऑनलाइन सामान बेचने वाले ट्रेडर्स पर अब कम टैक्स

ई-कॉमर्स ट्रेडर्स पर लगने वाले टैक्स को 1 प्रतिशत घटाकर 0.10प्रतिशत किया गया है। ऑनलाइन सामान या सर्विस बेचने वाले किसी भी डीलर को ये टैक्स देना होता है।

एक साल में सिलेंडर 300 रुपए सस्ता, सोना-चांदी 13,000 रुपए महंगे

बीते एक साल में सोना-चांदी 13,000 रुपए महंगे हुए है। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 300 रुपए घटे हैं। इस दौरान तुअर दाल करीब 30 रुपए प्रति किलो महंगी हुई है। सोयाबीन तेल, आटा और चावल के दामों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है।

मीडिल क्लास एवं युवाओं पर फोकस

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में बिहार में 3 एक्सप्रेसवे, दो मंदिरों में कॉरिडोर के साथ ही पूर्वी राज्यों में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर समेत अन्य डेवलपमेंट के लिए पूर्वोदय स्कीम का ऐलान किया है। वहीं जॉब-स्किल डेवलपमेंट के लिए 5 नई योजनाओं की घोषणा की। नईं योजनाओं में मिडिल क्लास और युवाओं पर फोकस किया गया है।

26 जुलाई: कारगिल विजय दिवस पर विशेष

भारतीय सेना की शौर्य गाथा की यादें जब 527 जवानों की कुर्बानी के बाद फहराया गया था तिरंगा

आज पूरे देश ने उन वीर जवानों को याद किया जिन्होंने 25 साल पहले कारगिल युद्ध में अपनी जान की बाजी लगा दी थी। 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने विजय का प्रतीक बनाते हुए पाकिस्तानी अशिक्षितता को पूरी तरह हराया था। इस दिन को हर साल कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिससे सम्मानित होती है उन बहादुर सैनिकों की यादें।

कारगिल युद्ध में भारतीय सेना ने न केवल अपने जांबाज सैनिकों के प्रदर्शन को साबित किया, बल्कि दुनिया को भी दिखाया कि वह अपनी सुरक्षा और अदालत को लेकर किसी भी स्थिति में तैयार है।

इस विजय के लिए बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था, लेकिन हमारी सेना ने उन सभी चुनौतियों को पार किया। बता दें कि करीब 18 हजार फीट की ऊंचाई पर कारगिल में लड़ी गई इस जंग में देश ने 527 से ज्यादा वीर योद्धाओं को खोया था, वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। पाकिस्तान ने इस युद्ध की शुरुआत 3 मई 1999 को की थी जब उसने कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर 5,000 सैनिकों के साथ घुसपैठ कर कब्जा जमा लिया था। इस बात की जानकारी जब भारत सरकार को मिली तो सेना द्वारा पाक सैनिकों को पीछे खदेड़ने के लिए ऑपरेशन विजय को चलाया और विजय हासिल।

वहीं बात करें भारतीय वायुसेना की तो पाकिस्तान के खिलाफ मिग-27 और मिग-29 का भी इस्तेमाल किया गया था।

इसके बाद पाकिस्तान ने जिस-जिस जगह पर कब्जा किया था वहां बम गिराए गिरा कर उनका खात्मा किया। इसके अलावा मिग-29 की सहायता से पाकिस्तान के कई ठिकानों पर आर-77 मिसाइलों से हमला किया गया। युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने अपनी वायु और सुदृढ़ भूमि सेना के साथ-साथ, नेतृत्व में विशेषज्ञता दिखाई और पाकिस्तान के जरिए आतंकवाद को बड़े पैमाने पर हराया। इस दौरान करीब दो लाख पचास हजार गोले दागे गए। वहीं 5,000 बम फायर करने के लिए 300 से ज्यादा मोर्टार, तोपों और रॉकेट लांचर का इस्तेमाल किया गया।

लड़ाई के 17 दिनों में हर रोज प्रति मिनट में एक राउंड फायर किया गया। बताया जाता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यही एक ऐसा युद्ध था जिसमें दुश्मन देश की सेना पर इतनी बड़ी संख्या में बमबारी की गई थी। इस युद्ध ने हमारी देशभक्ति और सेना के प्रति विश्वास को मजबूती से बढ़ाया और हमें एक मजबूत राष्ट्र की ओर आगे बढ़ने का संकेत दिया। आज हम सभी इसी उत्कृष्ट उदाहरण को स्मरण करते हैं और अपने वीर योद्धाओं को उनकी बहादुरी के लिए सलामी अर्पित करते हैं। इस विशेष दिन पर, हम सबको एकजुट होकर भारतीय सेना के वीर योद्धाओं की शक्ति, साहस और समर्पण की प्रशंसा करनी चाहिए।

जानिए कैसा था कारगिल जंग का पूरा घटनाक्रम

3 मई 1999- एक चरवाहा भारतीय सेना को कारगिल में पाकिस्तानी सैन्य घुसपैठ के बारे में सूचित करता है।

5 मई- कारगिल में पाकिस्तानी सेना द्वारा एक भारतीय गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप पाँच सैनिक मारे जाते हैं।

9 मई- कारगिल में भारतीय गोला-बारूद के भंडार पाकिस्तानी तोपखाने की गोलाबारी से नष्ट हो जाते हैं।

10 मई-पाकिस्तानी घुसपैठियों को पहली बार लद्दाख के द्रास, काकसर और मुश्कोह सेक्टरों में देखा जाता है।

26 मई-भारतीय वायु सेना को कार्रवाई करने का आदेश दिया जाता है।

27 मई-भारतीय वायु सेना पाकिस्तान के खिलाफ़ मिग-27 और मिग-29 जेट का इस्तेमाल करती है; फ़्लाइट लेफ्टिनेंट नचिकेता को पकड़ लिया जाता है।

28 मई-पाकिस्तान द्वारा एक मिग-17 हेलीकॉप्टर को मार गिराया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप चार भारतीय सैनिक मारे जाते हैं।

1 जून-NH-vA पर पाकिस्तान द्वारा भारी गोलाबारी।

5 जून-भारतीय सेना ने पाकिस्तानी रेंजर्स के पकड़े गए दस्तावेजों को जारी किया, जिसमें उनकी मौजूदगी का विवरण था।

6 जून-भारतीय सेना ने बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई शुरू की।

9 जून-भारतीय सेना ने बाल्टिक सेक्टर में दो प्रमुख अग्रिम चौकियों पर फिर से कब्ज़ा कर लिया।

11 जून-भारत ने जनरल परवेज़ मुशर्रफ़ और लेफ्टिनेंट जनरल अज़ीज़ ख़ान के साथ बातचीत की रिकॉर्डिंग जारी की, जिसमें घुसपैठ में पाकिस्तान का हाथ बताया गया।

13 जून-भारतीय सेना ने द्रास सेक्टर में टोलोलिंग पर कब्ज़ा कर लिया।

15 जून-अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान से कारगिल से हटने का आग्रह किया।

29 जून-भारतीय सेना ने टाइगर हिल के पास रणनीतिक प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर फिर से कब्ज़ा कर लिया।

2 जुलाई-भारतीय सेना ने कारगिल पर तीन-तरफा हमला किया।

4 जुलाई-भारतीय सेना ने टाइगर हिल पर फिर से कब्ज़ा कर लिया।

5 जुलाई-भारतीय सेना ने द्रास सेक्टर में अपनी स्थिति फिर से हासिल कर ली; पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने बिल क्लिंटन को कारगिल से अपनी सेना की वापसी की सूचना दी।

7 जुलाई-भारतीय सेना ने बटालिक सेक्टर में जुबार हिल पर कब्ज़ा कर लिया।

11 जुलाई-पाकिस्तानी रेंजर्स ने बटालिक से पीछे हटना शुरू कर दिया।

14 जुलाई-प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ऑपरेशन विजय में जीत की घोषणा की।

26 जुलाई- तत्कालीन प्रधानमंत्री ने इस दिन को विजय दिवस (विजय दिवस) के रूप में मनाने की घोषणा की। एजेंसी।

गहरे और अनदेखे राज़ से भरी है राघव जुयाल की सीरीज ग्यारह ग्यारह, दमदार है ट्रेलर

नई दिल्ली, एजेंसी।

ZEE5 ने ग्यारह ग्यारह का दिलो-दिमाग को झकझोर देने वाला ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जो यकीनन समय और स्थान की सीमाओं को तोड़ता है। करण जौहर और गुनीत मोंगा कपूर द्वारा मिलकर प्रोड्यूस की गई इस सीरीज का प्रीमियम 9 अगस्त को होगा। यह सीरीज सवाल करती है कि क्या अतीत को बदलकर वर्तमान और भविष्य को बदलना संभव है। सीरीज का ट्रेलर एक ऐसी दुनिया में ले जाता है जहाँ असंभव भी संभव हो जाता है, और इस तरह वे समय के वजूद और इसकी ताकत के बारे में सोचने पर मजबूर हो जाते हैं।

करण जौहर- गुनीत मोंगा ने मिलकर बनाई है सीरीज

विजनरी डायरेक्टर, उमेश बिष्ट के निर्देशन में बनी सीरीज़ ग्यारह ग्यारह में कृतिका कामरा, धैर्य करवा और राघव जुयाल जैसे दमदार कलाकारों ने मुख्य किरदार निभाए हैं, जबकि गौतमी कपूर, हर्ष छाया, पूर्णेंदु भट्टाचार्य, मुक्ति मोहन, और गौरव शर्मा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नज़र आने वाले हैं।

करण जौहर और धर्माटिक एंटरटेनमेंट के अपूर्व मेहता, तथा सिख्या एंटरटेनमेंट के ऑस्कर विजेता फिल्म-मेकर्स गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन द्वारा साथ मिलकर प्रोड्यूस की गई सीरीज़, ग्यारह ग्यारह अलग-अलग ज़माने के दो पुलिस अधिकारियों के एक रहस्यमय वॉकी-टॉकी के ज़रिये एक-दूसरे से जुड़ने, तथा अतीत एवं वर्तमान पर इसके बटरफ्लाई इफेक्ट की बेहद दिलचस्प कहानी है।

जल्द ही होने जा रहा है सिद्धिविनायक, मुंबादेवी महालक्ष्मी मंदिर का नवीकरण

मुंबई में स्थित प्रसिद्ध मंदिर सिद्धिविनायक, मुंबादेवी, महालक्ष्मी का जल्द ही नवीकरण होने जा रहा है। बदलते दौर के साथ सुख-सविधाओं की बढ़ोतरी के लिए बी.एम.सी द्वारा ये अहम निर्णय लिया गया है। बी.एम.सी ने खास तौर पर सिद्धिविनायक मंदिर में लिए टेंडर जारी करने के निर्देश दे दिया है। वहीं दूसरी तरफ मुंबा देवी मंदिर के लिए स्पेशल आर्किटेक्ट और साथ ही साथ महालक्ष्मी मंदिर के लिए पी.एम.सी को नियुक्त किया है।

बी.एम.सी के एडिशनल कमिश्नर अश्विनी जोशी ने बताया कि खास तौर पर मंदिरों के लिए विकास के लिए प्रेजेंटेशन की गई, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाकाल मंदिर के विकास को देखते हुए इन मंदिरों की कायाकल्प की बात कही थी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मंदिरों का विकास करते समय परिसर में छोटे-छोटे मंदिरों को नजरअंदाज न किया जाए। बी.एम.सी कुल मिलाकर इन मंदिरों के लिए 500 करोड़ की धन राशि खर्च करेगी। जिसमें मुंबादेवी मंदिर के लिए 220 करोड़ और महालक्ष्मी मंदिर के लिए 18 करोड़ रूपये खर्च किये जाएंगे।

महालक्ष्मी मंदिर में होंगे ये बदलाव

महालक्ष्मी मंदिर में सीढ़ियों और एंट्री व एग्जिट द्वार पर ही काम किया जाएगा। इसके लिए खासतौर पर प्रोजेक्ट मैनजमेंट कंसल्टेंसी को नियुक्त किया गया है। इस काम की शुरुआत आगे रिपोर्ट मिलने पर ही की जाएगी। महालक्ष्मी मंदिर तक पहुंचने के लिए बी.एम.सी ने भूलाबाई देसाई रोड से मंदिर तक एक फुटपाथ बनाया है,

जिसपर चलकर श्रद्धालु सीधा मंदिर पहुंच सकेंगे।

मुंबादेवी मंदिर

श्रद्धालुओं की सुविधाओं को देखते हुए मुंबई की कुलदेवी मुंबादेवी मंदिर का कायाकल्प होगा। हाल ही में चल रहे बी.एम.सी ने वहां मंदिर परिसर के लिए पार्किंग के काम को रोक दिया है। मंदिर के पास एक खाली गार्डन भी है जिसे मंदिर के साथ जोड़ने की बात कही जा रही है।

मिनटों में पहुंच जाएंगे सिद्धिविनायक मंदिर

बी.एम.सी अधिकारी जानकारी देते हुए बताते हैं कि दादर स्टेशन से मंदिर के लिए एक मिनी बस की शुरुआत की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस सुविधा के बाद दादर स्टेशन से निकलते ही लोगों को पहले से ही सुविधा उपलब्ध होगी और वो स्टेशन से मंदिर तक पांच मिनट में पहुंच जाएंगे। इसी के साथ सिद्धिविनायक मंदिर में एक खास बदलाव होगा जहां मंदिर में सिर्फ एक तरफ से प्रवेश था अब वहां एंट्री के लिए दो गेट बना दिए जाएंगे। एजेंसी।

शॉर्ट पिंक ड्रेस में एक दम बार्बी डॉल सी लगीं सारा अली खान

सौम्य वातावरण में स्थित छत्तीसगढ़ का सर्वोत्कृष्ट 7 स्टॅार रैंकिंग अवार्डेड सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम स्कूल
To make all the Students Intelligent With Smily
Features
✓ Innovative Curriculum
✓ Creative Experiential Learning
✓ Multipurpose Auditorium
✓ Well-equipped Science & Computer Lab
✓ State of the Art Infrastructure
✓ Indoor Outdoor Sports Activity Centers
✓ Certified Teachers
✓ Well furnished Classrooms
✓ Best Education Plans
✓ Smart Classes
✓ Safe Campus (CCTV)
Smart Classes, Digital School
ग्रामीण क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट शिक्षा का एक मात्र सीबीएसई विद्यालय वह भी कम फीस में...
CBSE SCHOOL
ADMISSION OPEN
SESSION 2024-25
PLAY GROUP TO CLASS XII
Green Campus Silent Zone
Nitesh Kumar Memorial
LIONS PUBLIC SCHOOL
AN ENGLISH MEDIUM SCHOOL
Affiliated to C.B.S.E. (New Delhi), CBSE AFFILIATION NO.:3330422
KORBA- CHAMPA ROAD, KHARHARKUDA, MADWARANI, DISTT. KORBA (C.G.)
Call@62612-97651, 74899-24435
Website : www.lionspublicschoolkharharkuda.com
E-Mail : lionspublicschoolkharharkuda@gmail.com

26 जुलाई कारगिल दिवस पर विशेष

कड़ाके की ठंड ने भी नहीं बदल सका हमारा फैसला आखिरकार कारगिल जीत का ताज भारत ने पहना

कोरबा का लाल कारगिल विजेता प्रेम सोनी आज भी लड़ रहे लड़ाई अशिक्षा के विरूद्ध: धैंराभाठा स्कूल में शिक्षा का जगा रहे अलख, कहा- राष्ट्र सेवा सर्वोपरी

कोरबा/ पाली (दिव्य आकाश)।

कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। भारत में प्रत्येक साल 26 जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था, जो 60 दिन चला और आज ही के दिन 26 जुलाई को भारत को विजय मिली थी। कारगिल विजय दिवस युद्ध में बलिदान हुए भारतीय जवानों के सम्मान में यह दिवस मनाया जाता है। यहां यह बताना आवश्यक होगा की पूर्व सेना नायक कारगिल विजेता प्रेम सोनी अब भी लड़ाई लड़ रहे हैं। अब की लड़ाई अशिक्षा के विरुद्ध तमस को विद्यार्थी के जीवन से समाप्त कर शिक्षा का प्रकाश माध्यमिक शाला रंगोले संकुल धौंराभाठा में फैला रहे हैं। 25 साल पहले भारत व पाकिस्तान के बीच कारगिल सेक्टर में युद्ध हुआ था। कड़ाके की ठंड के बीच

कारगिल की कहानी पूर्व सेना नायक प्रेम सोनी की जुबानी

पाकिस्तान के गलत इरादे को भारतीय सैनिकों ने अपने बुलंद हौसले व जज्बे से परास्त कर दिया था। इस युद्ध में भारतीय सेना के मां भारती के सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति देकर मां भारती का सर गर्व से ऊँचा किया था। माइनस डिग्री तापमान में हमारे सैनिकों ने अपनी बहादुरी और साहस का परिचय देकर कारगिल युद्ध में विजय प्राप्त की थी। छत्तीसगढ़ के जवानों ने अपनी वीरता और साहस का प्रदर्शन दिल खोल कर किया था।

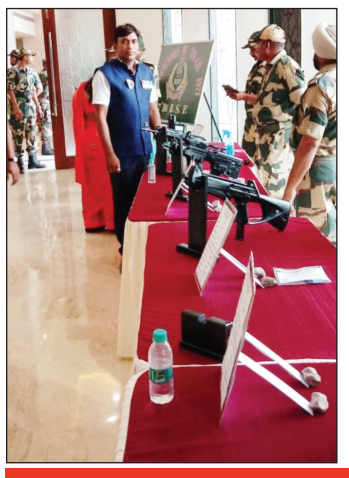

सेना नायक प्रेम सोनी बताते हैं कि मां भारती की सेवा से बढ़कर कुछ भी नहीं। उसे उस दौर की पूरी घटना उनकी आंखों के सामने आ गई। वह बताते हैं कि माइनस डिग्री तापमान में हम सब ने अपनी अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया था। हमारे लिए केवल और केवल भारत मां की सेवा ही दिखाई दे रही थी। भारतीय सेना के लिए कारगिल सेक्टर महत्वपूर्ण है । नवंबर-दिसंबर के महीने में यहां कड़ाके की ठंड पड़ती है। भारत-पाकिस्तान के बीच जब युद्ध की शुरुआत हुई तब यहां ठंड भी हड्डितोड़ की पड़ रही थी। बर्फ की चादरों से ढकी पहाड़ी और घने कोहरे के बीच दुश्मनों की हलचल को देखना और उस पर अचूक निशाना लगाना भी एक बड़ी चुनौती थी। साहस के दम पर हमने इस चुनौती को भी जीत पाए और और दुश्मनों को पीछे धकेलने और खदेड़ने में भी सफलता पाई । हम उस टुकड़ी में शामिल थे, जिनका काम पैदल सैनिकों को कवर करना और सुरक्षा देना था । फौजियों की जान माल की सुरक्षा एवं आगे की मंजिल सुरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी थी। पूर्व सेना नायक श्री सोनी बताते हैं कि कारगिल युद्ध के दौरान आर्टिलरी फोर्स में वे तैनात थे। युद्ध प्रारंभ होने के तकरीबन 8 दिन बाद सैन्य मुख्यालय से देर रात संदेश मिला, तत्काल कारगिल के लिए कुछ करें । हम सब गहरी नींद में सोए थे। कैंप में अलार्म बजने लगा , हम सब तत्काल उठे और गन लेकर बाहर निकले, हमें लगा कोई घटना घट गई है। कैंप परिसर में हमसब एकत्र हो गए और पोजीशन ले लिए। इस बीच अफसर की आवाज गूंजी-कारगिल के हालात ठीक नहीं हैं। द्रास सेक्टर में कूच करने का आदेश जारी हुआ। जरूरी सामान लेकर वाहन में बैठे और द्रास सेक्टर के लिए प्रस्थान करें। 8 से 10 घंटे के सफर के बाद हम सब लोग गंतव्य तक पहुंचे, फिर जब 60 दिन बाद आए, तब भारत माता ने मुस्कुरा कर आशीर्वाद दिया।

कारगिल युद्ध के जाबांज सिपाही कोरबा जिले का माटी पुत्र आज भी राष्ट्र सेवा को नहीं छोड़ी और शिक्षा के जरिए आदिवासियों को जीने की राह दिखा रहे हैं। ऐसे जाबांज सिपाही आज भी कोरबा में बिना पहचान के राष्ट्र सेवा में लगे हुए हैं। प्रेम सोनी भी ऐसे ही मां भारती का महान सपूत है, जिन्होंने अपने सुकृत्यों से राष्ट्र सेवा को अपना जीवन अर्पित कर रहे हैं। उनका कहना है कि शिक्षा के बिना आदिवासियों या वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का कल्याण नहीं हो सकता। वे आदिवासियों के बीच शिक्षा की अलख जगा रहे हैं और जनपद पंचायत पाली मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर धौंराभांठा स्कूल में ग्रामीण बच्चों को शिक्षा के माध्यम से जीवन गढ़ने की राह दिखा रहे हैं। ऐसे मां भारती के सपूत को दिव्य आकाश परिवार भी सलाम करता है।

वन विभाग द्वारा प्रतिभाओं का सम्मान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

गत 22 जुलाई को लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा में संयुक्त रूप से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में स्थित आक्सीजोन में 800 पौधों का रोपण किया गया। वृहद वृक्षारोपण में वन मंडल बिलासपुर से आये वनविस्तार एवं अनुसंधानधिकारी सुंदर सिंह धुर्वे, एसडीओ प्रहलाद यादव एवं उनकी टीम का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। पौधरोपण के बाद लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल का शपथ समारोह संपन्न हुआ। वन मण्डल बिलासपुर से आए वन अधिकारियों ने मंच में विद्यालय की प्रतिभाओं का सम्मान किया और अतिथियों को तुलसी का पौधा देकर संदेश दिया कि पर्यावरण की रक्षा हमें अपने घर से ही शुरूआत करके संकल्प लेना होगा। इस अवसर पर श्री यादव ने कहा कि हम चिन्हित विद्यालयों में वृक्षारोपण अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। हम नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल में आकर हमें नया अनुभव मिला। यहां की सेवागतिविधियों के साथ पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत नमूना देखने को मिला और यह दूसरे लोगों के लिए एक प्रेरणा है। हम यहां के अनुभव को दूसरी जगह जाकर बांटेंगे। इस वनांचल क्षेत्र में प्रकृति और शिक्षा का ऐसा संगम देखने को कहीं-कहीं मिलता है। इस तरह का समारोह हमारे लिए नया अनुभव है।

दुकान किराये पर देना है
कोरबा के हृदय स्थल टी.पी. नगर नया बस स्टैंड के पास होटल ब्लू डायमंड के सामने प्रथम मंजिल में सर्वसुविधायुक्त 2500 sqft फाल सिलिंग लगा हुआ शीघ्र ही किराए पर देना है।
हमसे संपर्क करें-
गोपाल राय सोनी
मो.: 79996 32557

सावन में चारों तरफ गूंज रहा हर-हर महादेव

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। पिछले सोमवार से सावन का महीना प्रारंभ हुआ और पांच सप्ताह तक भगवान शिव की आराधना शिव भक्त लीन रहेंगे। शिव मंदिरों में सोमवार के साथ-साथ हर दिन भक्तों की भीड़ दिखाई दे रही है। घर-घर में रूद्राभिषेक महायज्ञ का आयोजन भी हो रहा है। इस साल 5 सोमवार सावन को पड़ रहा है। सोमवार से प्रारंभ हुआ सावन 19 अगस्त दिन सोमवार को रक्षाबंधन के साथ संपन्न हो जाएगा।

ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं साइकिल पा कर खुश हुईं

कोरबा (दिव्य आकाश)

ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोरबा की नवमीं कक्षा की छात्राओं को सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिल वितरित की गई। साइकिल पाकर छात्राएं खुश हुईं। वरिष्ठ शिक्षक एस पीटर व प्राचार्य आशीष जेकबस पीटर ने कहा कि साइकिल से छात्राओं का विद्यालय आना जाना सुगम होगा। साइकिल पाकर छात्राएं खुश नजर आईं । इस मौके पर स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाएं सहित काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। छात्राओं ने साईकिल पाकर सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बाढ़ का कहर: खैराडुबान और पोड़ी गांव में चलाया गया रेस्क्यू, बाढ़ में फंसे लोगों को पहुंचाया गया सुरक्षित स्थान

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)

भारी वर्षा से कोरबा जिले के पाली ब्लॉक अंतर्गत खैराडुबान और पोड़ी गांव में बने बाढ़ की स्थिति के पश्चात् कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देश पर प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पाली एसडीएम तथा तहसीलदारों, एसडीआरएफ की उपस्थिति में बाढ़ में फंसे 09 ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर निकाला गया। ग्रामीणों को तेज बहाव वाले स्थानों पर न जाने की सलाह दी गई। प्रशासन द्वारा बाढ़ से हुए नुकसान के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। कोरबा जिले में हुई दो दिन की लगातार बारिश के कारण कई जगह जीवन अस्तव्यस्त हो गया था।

घटने लगा जलस्तर

दो दिन की लगातार बारिश ने पाली क्षेत्र में कहर बरपा दिया था। क्षेत्र के नदी-नाले उफान पर थे। गाजर नाला उफान पर था। मुनगाडीह बगदेवा पुल के ऊपर दो फीट पर पानी बह रहा था, जिसके कारण कई जगहों से संपर्क टूट गया था। बारिश बंद होने पर जलस्तर घटने लगा है।

रसनीत कौर बनी सीए

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)

अपने पहले ही प्रयास मे चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण कर पाली की बेटी कु रसनीत कौर ने अपने परिवार व नगर को गौरवान्वित किया है। ये स्व इंद्रपाल सिंह छाबड़ा की सुपुत्री हैं। प्रतिष्ठित छाबड़ा परिवार के परमजीत सिंह की भतीजी हैं, जो अपने चाचा जसपाल छाबड़ा के मार्गदर्शन और सहयोग से अपने लक्ष्य को पूरा करने में अपनी मेहनत के बूते सफ़लता अर्जित की। इष्ट मित्रों और रिश्तेदारों, नगर वासियों ने पाली का गौरव कुमारी रसनीत को बधाई दी है और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

र्‍यूमीकैप (RHEUMICAP)

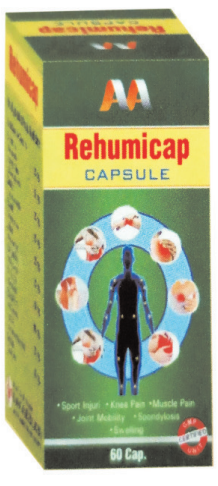

र्‍यूमीकैप वात सम्बन्धित रोग जैसे शूल, आमवात, सन्धिवात, कटिग्रह, गृध्रसी में अचूक औषधि है, र्‍यूमीकैप कुचला, इन्द्रायान, मूल गुडूची, रसौल, लहसुन, कुलिंजन बीज, शु. गुग्गुल, रास्नापत्र, इन्द्रजौ और अमलताश आदि औषधियों का मिश्रण है। इस औषधि का प्रधान कार्य वातवाहिनी नाड़ियों पर होता है। जब वायु कुपित हो भयंकर वेदना उत्पन्न करती है तब यह कैप्सूल विशेष प्रभावकारी होता है।
Bharat Ayurvedic Works, Mob.: 9897489900

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श
सीएसईबी चौक
स्टेडियम रोड
ट्रांसपोर्ट नगर चौक
मुड़ापार रोड
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो मर्दो व औरतों के गुप्त रोगों के निराश रोगी ईलाज के लिए मिलें।
पतंजलि
श्रीश्री आयुर्वेद
बैद्यनाथ
Dabur
ZANDU
डॉ. वाय. भारद्वाज
(एम.डी.) (एन.एम.)
शराब छुड़ाने की हर्बल दवा उपलब्ध
सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

Roop Kanchan
Want to lighten your skin tone
एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...
शिव हर्बल आयुर्वेदिक एण्ड कॉस्मेटिक
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

राष्ट्रपति भवन का दरबार हॉल अब गणतंत्र मंडप के नाम से जाना जाएगा, अशोक हॉल को भी मिला नया नाम

नई दिल्ली, एजेंसी।

राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉलों, दरबार हॉल और अशोक हॉल के नाम बदल दिए गए हैं। दरबार हॉल अब गणतंत्र मंडप और अशोक हॉल को अशोक मंडप के नाम से जाना जाएगा। राष्ट्रपति भवन की तरफ से गुरुवार (24 जुलाई) को जारी एक प्रेस रिलीज में इसकी जानकारी दी गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नाम में हुए बदलाव पर प्रसन्नता जाहिर की है।

विज्ञप्ति के अनुसार, नाम बदलने का उद्देश्य राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचारों का प्रतिबिम्बित करना है। राष्ट्रपति भवन, भारत के राष्ट्रपति का कार्यालय और निवास, राष्ट्र का प्रतीक है, और लोगों की अमूल्य विरासत है। विज्ञप्ति में कहा गया है, इसे लोगों के लिए और अधिक सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचारों का प्रतिबिम्ब बनाने का निरंतर प्रयास किया गया है।

राष्ट्रीय पुरस्कारों जैसे महत्वपूर्ण समारोहों स्थल है दरबार हॉल

दरबार हॉल राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों और उत्सवों का स्थल है। दरबार शब्द का अर्थ भारतीय शासकों और अंग्रेजों के दरबार और सभाओं से है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत के गणतंत्र बनने के बाद इसकी प्रासंगिकता खत्म हो गई है, यानी गणतंत्र। गणतंत्र की अवधारणा प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में गहराई से निहित है, इसलिए गणतंत्र मंडप इस आयोजन के लिए उपयुक्त नाम है।

अशोक हॉल की खासियत

अशोक हॉल मूल रूप से एक बॉलरूम था। अशोक शब्द का अर्थ है वह व्यक्ति जो सभी कष्टों से मुक्त या किसी भी दु:ख से रहित हो। इसके अलावा, अशोक का तात्पर्य सम्राट अशोक से है, जो एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रतीक है। इसमें कहा गया है, भारत गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ से अशोक का सिंह शीर्ष है। यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है, जिसका भारतीय धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ कला और संस्कृति में भी गहरा महत्व है। इसमें कहा गया है कि अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप करने से भाषा में एकरूपता आएगी और अंग्रेजीकरण के निशान मिटेंगे, साथ ही अशोक शब्द से जुड़े प्रमुख मूल्यों को बरकरार रखा जाएगा।

अब देशवासियों का इंतजार होगा समाप्त... राष्ट्रीय डिजिटल विश्वविद्यालय के गठन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश में राष्ट्रीय डिजिटल विश्वविद्यालय के गठन की दिशा में एक बड़ा कदम अंतिम चरण में है। इस वर्ष के अंत तक इसे अस्तित्व में आने का इंतजार है। केंद्र सरकार ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए विशेष आवंटन किया है, जिससे इस विश्वविद्यालय के गठन, इंफ्रास्ट्रक्चर और शैक्षणिक सामग्री को तैयार करने में मदद मिलेगी। सरकार द्वारा 2022 में इस प्रस्ताव की घोषणा के बाद, 2023-24 के बजट में उसे बढ़ावा देने के लिए सिर्फ चार करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। इस बीच, विश्वविद्यालय के गठन से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी की गई हैं और उसका ढांचा भी तैयार है।

इसमें विभिन्न कोर्स शामिल होंगे, जो केंद्रीय विश्वविद्यालय और देश के अन्य शीर्ष उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े हुए हैं। इस उच्चस्तरीय कमेटी में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पदेन सचिव, उच्च शिक्षा सचिव, दो कुलपति, और दो शिक्षाविद्याओं को शामिल किया जाएगा। नए आवंटन के बाद, इस विश्वविद्यालय के गठन में तेजी आएगी, जिसमें प्रशासनिक भवन और तकनीकी सुविधाएं शामिल होंगी। डिजिटल यूनिवर्सिटी के होने से बड़े कैंपस की जरूरत नहीं होगी, जिससे शिक्षा का स्तर भी उच्च रहेगा।

उच्च शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने की मुहिम जारी

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विदेशों में छात्रों के पलायन को रोकने के लिए सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए 18 सौ करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। यह पिछले साल के बजट के मुकाबले पांच सौ करोड़ रुपये अधिक है। संस्थानों को यह मदद मिलने वाली नियमित मदद से अलग है। शिक्षा मंत्रालय का पूरा जोर इस बात पर है कि वह देश के उच्च शिक्षण संस्थान भी दुनिया के शीर्ष सौ संस्थानों की रैंकिंग में जगह बनाएं। उच्च शिक्षण संस्थानों के अपग्रेडेशन के लिए भी पीएम उच्चतर शिक्षा अभियान की शुरूआत की गई है। इसमें पहली बार 1814 करोड़ की राशि आवंटित की गई है। यह कदम उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है।

सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्सों से शुरुआत, बाद में मिलेगी डिग्री

प्रस्तावित डिजिटल यूनिवर्सिटी का दायरा शुरूआत में देश तक ही रहेगा लेकिन बाद में दुनिया भर में विस्तार देने की तैयारी है। यूनिवर्सिटी के सभी कोर्सों में छात्रों को बारहवीं के बाद ही दाखिला मिलेगा। इस नये विश्वविद्यालय के लिए प्रस्तावित कोर्सों की शुरुआत सर्टिफिकेट और डिप्लोमा स्तर से होगी, जो बाद में डिग्री कोर्सों के रूप में भी विकसित हो सकते हैं। इस यूनिवर्सिटी में सभी कोर्सों के लिए कोई सीमित सीटें नहीं होंगी, जिससे हर किसी को समान अवसर मिलेगा। फिलहाल नेशनल डिजिटल यूनिवर्सिटी का जो ढांचा तैयार किया गया है, उनमें छात्रों के लिए सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों व शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों के कोर्स मुहैया रहेंगे।

सुरक्षाबलों ने कठुआ से जैश के दो मददगारों को गिरफ्तार किया, 8 जुलाई के आतंकी हमले से है कनेक्शन

श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। जम्मू एवं कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को कठुआ आतंकी हमले में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने आतंकी हमले में जैश की मदद की थी। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि कठुआ जिले के पहाड़ी इलाके से जैश-ए-मोहम्मद के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों ने कहा, इन दोनों आतंकवादी सहयोगियों से लगातार पूछताछ से आतंकवादियों को रणनीतिक और रसद सहायता देने में शामिल और लोगों की गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

5 सुरक्षाकर्मी हुए थे शहीद

10 जुलाई को कठुआ शहर से 150 किलोमीटर दूर बदनोटा गांव में सेना के वाहन पर आतंकवादियों द्वारा घात लगाकर किये गए हमले में चार सैनिकों और एक स्थानीय पुलिसकर्मी सहित पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे। जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, डोडा, कठुआ, रियासी और उधमपुर सहित पहाड़ी जिलों में 40 कट्टर विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली है।

आतंकियों के सफाए के लिए 4,000 से अधिक सैनिक तैनात

वहीं, सेना ने शांतिपूर्ण जम्मू संभाग से आतंकवाद का सफाया करने के लिए 4,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है, जिनमें विशिष्ट पैरा कमांडो और पर्वतीय युद्ध में प्रशिक्षित सैनिक शामिल हैं।यह सभी सैनिक आतंकियों को ढूंढ-ढूंढ कर मार गिराने में लगे हुए हैं।

करगिल विजय दिवस के 25 वर्ष पूरे: पूर्व महिला सैन्य अधिकारी ने 160 किमी दौड़ लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

करगिल विजय दिवस के 25 वर्ष पूरे होने पर एक पूर्व महिला सेना अधिकारी ने श्रीनगर से द्रास तक 160 किलोमीटर की दौड़ पूरी की। लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) वर्षा राय ने चार दिन के अंदर 160 किलोमीटर की दूरी दौड़ते हुए पूरा की। उन्होंने कहा, मैंने उन बहादुरों के सम्मान में दौड़ लगाई है जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

लेफ्टिनेंट कर्नल राय श्रीनगर से द्रास सेक्टर तक दौड़ लगाते हुए करगिल युद्ध स्मारक पहुंची। उन्होंने 19 जुलाई को अपनी यात्रा शुरू की थी और यह 22 जुलाई को समाप्त हुई। उनके साथ चिनार वारियर्स मैराथन टीम भी थी। करगिल युद्ध स्मारक पहुंचने पर राय ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। वर्षा राय के पति भी सेना अधिकारी हैं और वह कश्मीर में तैनात हैं। वह प्रतिदिन औसतन 40 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ती थी।

श्रीनगर से शुरू करने के बाद वह दूसरे दिन वुसन पहुंची जहां से उन्होंने 9,000 फुट की ऊंचाई पर सोनमर्ग तक दौड़ लगाई। वर्षा राय तीसरे दिन कश्मीर घाटी को लद्दाख क्षेत्र से जोड़ने वाले श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर 11649 फुट ऊंचे जोजिला दर्रे को पार कर मतायेन तक पहुंचीं और उसके बाद चौथे दिन वह द्रास स्थित स्मारक पहुंचीं। उन्होंने बताया, %%जब करगिल युद्ध शुरू हुआ तो मैं सातवीं कक्षा में पढ़ती थी और मेरे पिता कर्नल केशव राय अपनी पूरी टीम के साथ रातोंरात (सीमा पर) चले गए थे। वह दस वर्ष पहले सेवानिवृत्त हुए हैं।राय ने कहा, हमारे जैसे सैनिक परिवारों के लिए इसके बाद अनिश्चितता, नुकसान और निराशा के दिन आए। यह दौड़ मेरे लिए सिर्फ एक निजी यात्रा नहीं थी, बल्कि करगिल युद्ध के दौरान बहादुरी से लड़ने वाले जवानों के अदम्य साहस के लिए श्रद्धांजलि थी। **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करगिल विजय दिवस के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए 26 जुलाई को लद्दाख आएंगे।** भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ष 1999 में करगिल युद्ध हुआ था। भारत के वीर सपूतों ने जम्मू-कश्मीर के कारगिल की चोटियों से पाकिस्तानी सेना को खदेड़कर बाहर निकाला था।

चन्नी ने केंद्र सरकार की तुलना East India कंपनी से की, सरकारी संपत्तियों को बेचने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से करते हुए आरोप लगाया कि यह पहले सत्ता में आई और उसके बाद सत्ता के माध्यम से अपने करीबी उद्योगपतियों का कब्जा सरकारी संपत्तियों पर करा रही है। लोकसभा में वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए जालंधर से सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी ने यह आरोप भी लगाया कि इस बजट में सरकार बचाने की फिक्र दिखाई देती है और यह देश बचाने वाला नहीं, बल्कि सरकार बचाने वाला बजट है।

उन्होंने कहा कि बजट से साबित हो गया कि यह सरकार देश के सभी नागरिकों को समान नजर से नहीं देखती, बल्कि राजनीतिक चश्मे से देखती है। चन्नी ने बजट में पंजाब और अपने संसदीय क्षेत्र जालंधर के उद्योगों को भी निराश करने का आरोप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पर लगाया। उन्होंने कहा कि बजट में 14 लाख करोड़ रुपये का कर्ज इस साल लेने की बात कही गई और यदि हर साल सरकार ऐसे ही कर्ज लेती रही तो ''देश कहां जाएगा। कांग्रेस सांसद ने कहा कि भाजपा के लोग कांग्रेस पर आपातकाल का आरोप लगाते हैं लेकिन आज देश में ''वित्तीय आपातकाल और ''अघोषित आपातकाल है।

सरकारी संपत्तियों को बेचने का आरोप लगाया

उन्होंने दावा कि पिछले दस साल में डॉलर की कीमत 25 रुपये, पेट्रोल की कीमत 23 रुपये और डीजल की कीमत 35 रुपये बढ़ गई है। चन्नी ने यह दावा भी किया कि कांग्रेस नीत संप्रग सरकार में डॉलर का मूल्य केवल 13 रुपये बढ़ा था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 में सरकार में आने से पहले मोदी रुपये की कीमत गिरने पर सरकार कमजोर होने, प्रधानमंत्री कमजोर होने की बात करते थे। चन्नी ने कहा, ''आज बताएं कि रुपये की कीमत गिर रही है तो क्या सरकार कमजोर नहीं हो रही, प्रधानमंत्री कमजोर नहीं हो रहे। उन्होंने देश में निजीकरण का मुद्दा उठाते हुए कहा, ''आप (सरकार) देश की संपत्ति के संरक्षक हैं, मालिक नहीं। इसे बेचने की और देश को बर्बाद करने की गलती मत करो। चन्नी ने कहा कि देश के कई हवाई अड्डों को निजी कंपनियों के हवाले कर दिया गया है और सरकारी क्षेत्र की विमानन कंपनी को भी एक निजी कंपनी के हाथों बेच दिया गया है। उन्होंने कहा, ''और क्या क्या बेचोगे?

ये कोई बजट है , ये बस एक ड्रामा है:बजट 2024 पर जया बच्चन ने दिया चौंक देने वाला रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।

बजट के सवाल पर कुछ ऐसा रहा जया बच्चन का रिएक्शन कि आप सुनेंगे तो एक बार जरुर हैरान हो जाएँगे। हाल ही में केंद्र सरकार ने बजट पेश किया और इसी बजट पर दिग्गज एक्ट्रेस और सांसद जया बच्चन ने अपना रिएक्शन दिया है। अपने बेबाक बयानों के लिए तो जया बच्चन वैसे ही बहुत फेमस है। इस बार भी उनहोने जो रिएक्शन दिया है उस पर लोगों की अलग-अलग प्रतक्रिया आ रही है। जया बच्चन ने बजट को लेकर जो मजेदार जवाब दिया है उसने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा है। उनका रिएक्शन सोशल मीडिया पर अब काफी वायरल हो रहा है।एक्ट्रेस और सांसद से संसद के बाहर बजट 2024 पर उनका रिएक्शन पूछा गया, जिस पर उन्होंने कहा- मेरा कोई रिएक्शन नहीं है, ये कोई बजट है रिएक्शन देने वाला। यह सिर्फ एक ड्रामा है, कागज पर किए गए वादे कभी लागू नहीं होंगे। जया के इस बयान पर तो यूज़रस उन्हें ट्रोल करते दिख रहे है तो कुछ सहमति दिखाते। एक यूज़र ने कहा-आप खुद के ड्रामा है अमिताभ बच्चन की वजह से आपको पूछ रहे हैं वरना आपको कोई वार्ड मेम्बर भी लाइक ना करता।

बच्चे के लिए दवा लेने गई महिला को जिंदा निगल गया अजगर

जकार्ता, एजेंसी।

इंडोनेशिया में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां 30 फुट लंबे अजगर ने पांच बच्चों की मां को जिंदा निगल लिया। यह घटना दक्षिण सुलावेसी के लुवु रीजेंसी में हुई। 38 वर्षीय महिला सिरियाती अपने बीमार बच्चे के लिए दवा खरीदने के लिए घर से निकली थी और उसके बाद से लापता हो गई। जब वह घर नहीं लौटी, तो उसके परिवारवालों ने उसे ढूंढना शुरू किया।

महिला का पति आदियान्स्या उसे ढूंढते हुए जंगल पहुंचा, जहां उसने देखा कि एक विशाल अजगर उसकी पत्नी को निगलने की कोशिश कर रहा था। आदियान्स्या ने तुरंत अजगर को मार डाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी। आदियान्स्या ने बताया कि उसने अजगर के मुंह में पत्नी के पैर को देखा, जिससे वह सहम गया। अजगर ने महिला पर तब हमला किया था जब वह पेड़ों के बीच से अकेली जा रही थी।

वालेंरंग पुलिस कमिश्नर इदुल ने बताया कि अजगर के पेट से महिला का शव सही सलामत बरामद कर लिया गया है, लेकिन शरीर की हड्डियां कुचली हुई थीं। यह घटना मंगलवार को हुई, जब सिरियाती अपने बीमार बच्चे के लिए दवा खरीदने गई थी और रास्ते में लापता हो गई थी। उसका भाई भी उससे मिलने के लिए आने वाला था, लेकिन जब महिला वहां नहीं पहुंची, तो उसने पीड़िता के पति को फोन किया और फिर सभी ने मिलकर महिला को ढूंढना शुरू किया।दक्षिण सुलावेसी में एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी ऐसी घटना है। जून की शुरुआत में एक 45 वर्षीय महिला को भी अजगर ने जिंदा निगल लिया था। वह भी कई दिनों से गायब थी।

9 मई हिंसा मामले में इमरान खान का पोलीग्राफ जांच कराने से इंकार

इस्लामाबाद, एजेंसी।

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले साल नौ मई को हुए अप्रत्याशित उपद्रव से जुड़े दर्जनों मामलों की लाहौर पुलिस द्वारा की जा रही जांच के तहत पोलीग्राफ (एक प्रकार की झूठ पकड़ने वाली जांच) और आवाज मिलान परीक्षण कराने से इनकार कर दिया है। बारह सदस्यीय फोरेंसिक टीम क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान का पोलीग्राफ परीक्षण करने मंगलवार को अडियाला जेल पहुंची थी। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने 19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार के मामले में पिछले साल जब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान को गिरफ्तार किया था तब नौ मई को देशभर में उपद्रव हुए थे। इमरान खान 200 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं और वह पिछले साल अगस्त से जेल में हैं। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने खबर दी है कि एक पुलिस उपाधीक्षक की अगुवाई में लाहौर पुलिस का एक दल परीक्षण करने आडियाला जेल पहुंचा था।

लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल की नई कार्यकारिणी ने ली सेवा की शपथ

लायंस क्लब की गतिविधियां देखकर नई ऊर्जा आती है-राजेन्द्र अग्रवाल

द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स के संस्थापक लॉयन मेल्विन जोन्स के तैल्य चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ

कोरबा (दिव्य आकाश)।

लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल ने अपनी सेवा गतिविधियों से नई पहचान बनाई है। लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के शपथ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अग्रवाल सभा कोरबा के अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि मुझे इस तरह के समारोह में पहली बार आने का सुअवसर मिला, लेकिन यहां की गतिविधियों से परिचित होकर मेरे मन में नई ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में क्लब की गतिविधियों से समाज को नई दिशा मिल रही है। जंगल क्षेत्र में नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में पूरे देशवासियों से अपील की थी कि देश का हर व्यक्ति एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाएं। इस संदेश के बाद यह अभियान पूरे देश में एक आंदोलन बन गया है और राज्यों के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति भी इस अभियान में हिस्सा ले रहा है। इस अभियान का दूरगामी परिणाम देखने को मिलेगा और हरित देश-हरित राज्य की परिकल्पना साकार होगी और पर्यावरण संवर्धन में बड़ा लाभ होगा। श्री अग्रवाल ने आम जनों से अपील की कि इस अभियान में अपनी-अपनी सहभागिता अवश्य दें। उन्होंने कहा कि नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा की इस पावन भूमि पर हमने भी माँ के नाम पर पेड़ लगाया और इसमें भावनात्मक रूप से जो हमने पेड़ लगाया, उसकी सुरक्षा की गारंटी भी 100 प्रतिशत होगी, क्योंकि इसका जिम्मा विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने लिया है। उन्होंने डॉ. राजकुमार अग्रवाल के कार्यों की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस ग्रामीण क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट विद्यालय के संचालन के साथ-साथ क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित कर असंभव से कार्य को संभव कर दिखाया। श्री अग्रवाल ने यहां के अनुशासन को देखकर कहा कि यहां के शिक्षक और विद्यार्थी भी प्रशंसा के योग्य हैं।

लॉयन प्रीतपाल बी एस बाली ने दिलायी शपथ

द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स डि 3233 सी के पूर्व प्रांतपाल एवं देश के प्रख्यात वक्ता लायन प्रीतपाल बी एस बाली ने शपथ अधिकारी के रूप में नई कार्यकारिणी को शपथ दिलायी और सभी ने सेवा

का संकल्प लिया। सत्र 2024-25 के लिए एमजेएफ लायन पवन अग्रवाल (आटो सेंटर) अध्यक्ष, लायन सुरेन्द्र डनसेना-सचिव, लायन दीपक जायसवाल-कोषाध्यक्ष, लायन सुभाषचंद अनंत-प्रथम उपाध्यक्ष, लायन पार्वती दास-द्वितीय उपाध्यक्ष सहित उनकी टीम ने सेवा की शपथ ली। इनके अलावा मार्गदर्शक एवं व्यवस्थापक के रूप में पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल सहित संचालक मंडल ने भी शपथ ली। इस अवसर पर प्रदेश के जाने माने दिग्गज लायन पहुंचे थे, जिनमें प्रथम वाईस डि.गवर्नर पीएमजेएफ लायन विजय अग्रवाल, द्वितीय वाईस डि.गवर्नर एमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी, जोन चेयरमेन लायन राजेश अग्रवाल, इंटर नेशनल फंडिंग के डायरेक्टर एमजेएफ लायन ईश्वर अग्रवाल, पूर्व केबिनेट सचिव एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल, माइक्रो चेयरमेन इंटरनेशनल कन्वेंशन लायन मोहन सिंह छाबड़ा सपरिवार कार्यक्रम में पधारे थे। सभी ने लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के सेवा कार्यों की सराहना की और लायन पीएमजेएफ डॉ. राजकुमार अग्रवाल को इंटरनेशनल पीन से सम्मानित होने पर बधाई दी। इनके अलावा इस अवसर पर प्रेम प्रकाश शर्मा, दीपक जोशी, रोटरी क्लब से मनीष अग्रवाल, लायंस क्लब बालको से लायन रितेश केडिया, कैलाश गुप्ता, भोजराम राजवाड़े, प्रेमलता अग्रवाल, बिजय अग्रवाल, नूतन राजवाड़े, रवि अग्रवाल, मधुलता राजवाड़े, मधुपाल, रितेश शाह, त्रिलोकचंद अग्रवाल, विनीता गुप्ता, दर्शन अग्रवाल, निवृत्तमान अध्यक्ष मनोज गुप्ता,रंजना महावर, श्रीमती गायत्री अग्रवाल, श्रीमती प्रीति अग्रवाल,श्रीमती चंदा अग्रवाल, वरूण अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल, श्रीमती मंगल बुधिया, लायन दिग्गजों की जीवन संगनियों सहित सैकड़ों की संख्या में लायन सदस्य, विद्यालय के अध्यापकगण, विद्यार्थी, अभिभावक एवं क्षेत्र के नागरिक सहित स्पेशल गेस्ट के रूप में बिलासपुर वनमंडल के अनुसंधान एवं विस्तार अधिकारी सुंदर सिंह धुर्वे, एसडीओ प्रहलाद यादव सहित काफी संख्या में वनकर्मी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने क्या सोचकर एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रारंभ किया, दिल को छूने वाला है- लायन बाली

शपथ अधिकारी के रूप में उपस्थित देश के ख्यातिलब्ध लायनवादी वक्ता लायन प्रीतपाल बी एस बसाली ने पौध रोपण करने के बाद शपथ समारोह में सभी सदस्यों को शपथ दिलाने के बाद मंच को संबोधित किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्या सोचकर एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रारंभ किया, यह मैं नहीं जानता लेकिन यह दिल को छूने वाला है। विद्यालय परिसर के आक्सी जोन क्षेत्र में जब मैं पेड़ लगा रहा था तो किसी सदस्य ने नेम प्लेट लगाने के लिए मेरी मां का नाम पूछा और जब पेड़ लगाया तो मेरे साथ मेरी मां का नाम भी जुड़ा और मेरी आंखों में आंसू आ गए। यह कितनी बड़ी सोच है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की। मंच को जोन चेयरमेन लायन राजेश अग्रवाल, इंटरनेशनल फंडिंग के डायरेक्टर लायन ईश्वर अग्रवाल, पूर्व केबिनेट सचिव लायन आशीष अग्रवाल, इंटर नेशनल कन्वेंशन के माईक्रो चेयरमेन लायन मोहन सिंह छाबड़ा, लायन प्रेमप्रकाश शर्मा, लायन दीपक जोशी, लायन राजेश अग्रवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरूआत द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स के संस्थापक मेल्विन जोंस के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुई। विद्यालय की छात्राओं ने अतिथियों के स्वागत में गीत गाए, जिसे सुनकर पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा। सभी अतिथियों के स्वागत में विद्यार्थियों, अध्यापकों, वनकर्मियों ने तिलक लगाकर एवं विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए बुकों से स्वागत किया, इस अद्भूत स्वागत से सभी अतिथि भावविभोर हो गए। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सभी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य दीपक जायसवाल ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन अध्यापकद्वय पी पी सिंह एवं तनुजा पात्रा ने किया।

स्वागत से भावविभोर हुए अतिथि

पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य पर होगा फोकस-लायन पवन अग्रवाल

शपथ लेने के बाद सत्र 2024-25 के लिए लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल की कमान संभालने वाले कोरबा के जानेमाने उद्योगपति एवं समाज सेवी अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. प्रभुराम अग्रवाल के अग्रज पुत्र एमजेएफ लायन पवन अग्रवाल ने कहा की हम लायन डॉ. अग्रवाल के मार्गदर्शन में टीम भावना के साथ क्लब को ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा इस वर्ष हमारा फोकस मधुमेह नियंत्रण के लिए अधिक से अधिक स्वास्थ्य शिविर लगाना और इसके बचाव हेतु उपाय के लिए जनजागरूकता फैलाना, दांतों की बीमारी की रोकथाम हेतु हानिकारक गुटखों के खिलाफ जनजागरूकता फैलाना, दंत चिकित्सा शिविर आयोजित करना और क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए वृक्षारोपण करना एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लोगों को पौधरोपण के लिए जागरूक करना रहेगा। सावन के प्रथम दिन और शपथ ग्रहण में हमारी प्राथमिकता पर्यावरण संरक्षण के हम सत्र की शुरूआत करने जा रहे हैं, यह सत्र के लिए शुभ संकेत है।

आक्सीजोन परिसर का लोकार्पण : 800 पौधों का रोपण

मां के नाम से पेड़ लगाने में हृदय से होती है अनुभूति-सुंदर सिंह

शपथ ग्रहण समारोह से पूर्व आक्सीजोन परिसर का लोकार्पण किया गया और परिसर में अतिथियों ने पौधरोपण किया। बिलासपुर वनमंडल से आये वन विस्तार एवं अनुसंधान अधिकारी सुंदर सिंह धुर्वे एवं एसडीओ प्रहलाद यादव के मार्गदर्शन में नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा द्वारा निर्धारित आक्सीजोन परिसर में मुख्य अतिथि राजेन्द्र अग्रवाल सहित सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने 800 पौधे लगाए। अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने इनकी सुरक्षा का जिम्मा उठाया है। इस अवसर पर सुंदर सिंह धुर्वे एवं प्रहलाद यादव ने कहा कि मां के नाम से पेड़ लगाने में हृदय से अनुभूति होती है। इस विद्यालय में आकर लगा कि यहां के प्रबंधक द्वारा क्षेत्र को जिस तरह से हरितिमा बनाया है, इससे सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। पेड़ लगाने वाले के साथ मां का नाम भी अंकित करना एक नई अनुभूति थी।

राजकुमार जैसा नेतृत्व मिले तो असंभव भी संभव हो जाता है-लायन विजय अग्रवाल

शपथ समारोह को संबोधित करते हुए गेस्ट ऑफ ऑनर पीएमजेएफ लायन बिजय अग्रवाल ने कहा कि हम सभी सेवा के संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन बड़े भैय्या लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल जैसा नेतृत्व मिले तो असंभव सा भी कार्य संभव हो जाता है। ग्रामीण वनांचल क्षेत्र में नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल इसका अद्भूत उदाहरण है और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा योगदान क्षेत्र के लिए और कोई बड़ा उपहार नहीं हो सकता। अल्पकाल में ही लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल ने विशिष्ट पहचान बनायी है। मैं इस समारोह में उपस्थित होकर गौरव का अनुभव कर रहा हूं।

विद्यालय में अध्यापकों एवं विद्यार्थियों का ऐसा अनुशासन विरले ही देखने को मिलता है- लायन पुसरी

शपथ समारोह में प्रमुख वक्ता के रूप में पधारे वीडिजी द्वितीय एमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी ने कहा कि मुझे यहां दोबारा आने का सुअवसर मिला। मैं यहां आकर फिर से गौरव का अनुभव कर रहा हूं और प्रकृति के बीच एक अदद विद्यालय क्षेत्र के लिए माईल स्टोन है। मैं यहां के अध्यापकों और बच्चों का अनुशासन देखकर हतप्रभ हूं। गुरूकूल के नाम को यहां के शिक्षक और विद्यार्थी सार्थक कर रहे हैं, यह नई पीढ़ी के भविष्य के लिए शुभ संकेत है।

बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति, महिला सदस्यों ने मनाया सावन उत्सव

शपथ ग्रहण समारोह के बाद महिला सदस्यों ने सावन उत्सव मनाया और झूले का आनंद उठाया। इस अवसर पर प्रबंधन द्वारा प्रीतिभोज का भी आयोजन किया गया था, जिसमें सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में विद्यालयीन छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुति दी और राजस्थानी संस्कृति पर आधारित संगीतमय नृत्य किया। नृत्य इतना मनमोहक था कि प्रमुख वक्ता के तौर पर पधारे लायन रिपुदमन पुसरी ने डांस टीचर और बच्चों को 1100-1100 रूपए से पुरस्कृत किया।

छोटे-छोटे रचनात्मक कार्यों से बनती है अलग पहचान- लायन डॉ. अग्रवाल

समारोह की अध्यक्षता कर रहे पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हमारे पिता श्री एवं माता श्री ने हमें सुनाया था कि गर्मी खून में होती है,गुरूजनों ने सिखाया था-गर्मी जून में होती है, लेकिन मैंने सीखा है गर्मी जुनून में होती है। मन में जुनून हो तो कार्य अपने आप बनते चले जाते हैं। लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल के जुनून ने यह सब कर दिखाया। एक ओर पर्यावरण संरक्षण और दूसरी ओर क्षेत्र के ग्रामीण बच्चे अनुशासित और संस्कारित होकर अपना कैरियर इस प्राकृतिक वादियों में गढ़ रहे हैं। मैं लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के निवर्तमान अध्यक्ष मनोज गुप्ता एवं उनकी टीम को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने अपने एक साल के कार्यकाल को मेरी अपेक्षा से हजार गुना अच्छा कर दिखाया। सेवा कार्य को वनांचल क्षेत्र के अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए लायन गुप्ता का जो जज्बा दिखा, उसके लिए उन्हें गोल्डन पिन से स्वागत किया गया। उन्होंने लायन पवन अग्रवाल एवं उनकी टीम से और बेहतर करने की अपेक्षा करते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दी।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :·divyaakash.news@gmail.com